हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 08 | अंक : 134 | प्रयागराज,मंगलवार 23 अगस्त , 2022 | हिन्दी दैनिक | पृष्ठ–4 | मूल्य : 2 रुपया

केंद्रीय मंत्री टेनी की लखनऊ हाईकोर्ट से गुजारिश, प्रभात हत्याकांड केस इलाहाबाद ट्रांसफर कर दिया जाए

लखनऊ। सोमवार को हाईकोर्ट लखनऊ की एमपी–एमएलए कोर्ट में प्रभात हत्याकांड मामले की सुनवाई हुई। इस बार भी मंत्री टेनी ने 22 साल पुराने प्रभात हत्याकांड में नया दांव खेल दिया है। सोमवार को इस हत्याकांड में हाईकोर्ट के लखनऊ बेंच से फैसला आना था, लेकिन मंत्री के वकील ने केस ट्रांसफर करने की एप्लिकेशन चीफ जस्टिस के यहां लगा दी। लिखा कि केस को हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच से इलाहाबाद हाईकोर्ट में ट्रांसफर कर दिया जाए। ऐसे में जस्टिस रमेश सिन्हा और रेनू अग्रवाल की डबल बेंच ने मामले की सुनवाई की अगली डेट 6 सितंबर दे दी है। ये पांचवीं बार है जब फैसला आने की तारीख पर नई तारीख मिल गई है। गौरतलब है कि लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रनेता रहे प्रभात गुप्ता की आठ जुलाई 2000 को तिकुनिया में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसमें अजय मिश्र टेनी समेत चार लोग

नामजद हुए थे। 29 मार्च 2004 को लखीमपुर न्यायालय से अजय मिश्र टेनी को दोषमुक्त कर दिया गया था। इसके खिलाफ मश्तक के पिता संतोष गुप्ता ने रिवीजन हाईकोर्ट में दाखिल कर जिला न्यायालय के आदेश को चुनौती दी थी। 2013 में चीफ जस्टिस के आदेश पर मुकदमे की सुनवाई शुरू हुई और 2018 में डबल बेंच के सामने मुकदमे की सुनवाई पूरी हुई और आदेश सुरक्षित किया गया। छह माह बाद भी फैसला न आने पर मश्तक के भाई राजीव गुप्ता ने फैसला न आने के कारण अपील दाखिल की, जिसमें बहस के बाद प्रभात हत्याकांड की सुनवाई फिर से करने का आदेश हुआ। इस बीच चार साल तक सुनवाई की तारीख नहीं मिली, जिससे जनवरी 2022 को सर्वोच्च न्यायालय में रिट दाखिल की गई। वहीं पुनरू हाईकोर्ट में सुनवाई के लिए आवेदन किया गया, जिस पर न्यायाधीश रमेश सिन्हा एवं सरोज यादव की डबल बेंच ने सात अप्रैल 2022 को सुनवाई के बाद 16 मई को फाइनल सुनवाई का आदेश दिया, लेकिन इस दिन टेनी के वकील छुट्टी पर चले गए। इसके बाद 24 मई, फिर 31 मई 2022 की डेट लगी, लेकिन वकील छुट्टी पर चले गए। इस पर डबल बेंच ने 20 जुलाई को अंतिम सुनवाई लगाई गई, जिसमें टेनी की ओर से बताया गया कि उन के वकील सलिल श्रीवास्तव को कोविड संक्रमण हो गया है। इसलिए एक महीना बाद की तारीख दी जाए। इस पर वादी राजीव गुप्ता के वकील ज्योतेंद्र मिश्रा एवं सुशील कुमार सिंह ने आपत्ति जताई थी कि 11 जुलाई 2022 के आदेश में उल्लिखित है कि सलिल श्रीवास्तव बहस नहीं करेंगे, बल्कि गोपाल चतुर्वेदी अंतिम बहस करेंगे।

पीएम के दौरे पर टिकी पंजाब हरियाणा की नजर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 अगस्त को हरियाणा और पंजाब का दौरा करेंगे और दो महत्वपूर्ण स्वास्थ्य परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री 24 अगस्त की सुबह हरियाणा के फरीदाबाद में अमश्ता अस्पताल का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद, वह मोहाली के लिए रवाना होंगे और दोपहर लगभग 2रू15 बजे साहिबजादा अजीत सिंह नगर जिला (मोहाली) के मुल्लांपुर में होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री फरीदाबाद में अमश्ता अस्पताल का उद्घाटन करेंगे, जिससे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में आधुनिक चिकित्सा बुनियादी ढांचे को बढ़ावा मिलेगा। माता अमश्तानंदमयी मठ द्वारा संचालित सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल 2,600 बिस्तरों से लैस होगा। करीब 6,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से बनने वाले इस अस्पताल से फरीदाबाद और पूरे एनसीआर क्षेत्र के लोगों को अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी।

सिसोदिया को बर्खास्त करो केजरीवाल', बीजेपी ने दिल्ली सीएम के आवास के बाहर किया विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की दिल्ली इकाई ने आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की आबकारी नीति में कथित अनियमितताओं के खिलाफ यहां सिविल लाइंस इलाके में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास के पास सोमवार को विरोध प्रदर्शन किया।

भाजपा की दिल्ली की इकाई के अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि केजरीवाल को उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को अपने मंत्रिमंडल से निष्कासित करना चाहिए क्योंकि केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज मामले में उन्हें ''आरोपी नंबर एक बनाया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि केजरीवाल इस पूरे घोटाले के सरगना हैं, जिसमें शराब माफिया को सरकारी खजाने को लूटने की इजाजत दी गई। गुप्ता ने कहा कि दिल्ली भाजपा के कार्यकर्ता केजरीवाल सरकार द्वारा किए गए 'भ्रष्टाचार और आबकारी घोटाले के बारे में लोगों को बताने के लिए शहर में घर–घर जाएंगे। बता दें कि सीबीआई दिल्ली सरकार की आबकारी नीति 2021–22 में कथित अनियमितताओं की जांच कर रहा है। सीबीआई ने इस संबंध में दर्ज एक प्राथमिकी में दो कंपनी और 13 लोगों को नामजद किया है। केजरीवाल सरकार में आबकारी विभाग का कार्यभार संभालने वाले मनीष सिसोदिया के आवास पर शुक्रवार को सीबीआई ने छापा मारा था। सिसोदिया ने कहा कि 'आप सरकार जांच के खिलाफ नहीं है, बल्कि वह भाजपा नीत केंद्र सरकार द्वारा केजरीवाल को निशाना बनाए जाने के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि नीति में कोई घोटाला नहीं है और इसे पारदर्शी तरीके से लागू किया गया है।

बिहार: महंगाई, बेरोजगारी के खिलाफ जाप का राजभवन मार्च, पुलिस ने किया लाठी चार्ज

पटना। बढ़ती महंगाई, खाद्य पदार्थों पर बढ़ी जीएसटी, अग्निपथ योजना और बेरोजगारी के खिलाफ जन अधिकार पार्टी (जाप) ने सोमवार को पटना में राजभवन मार्च निकाला। जैसे ही यह मार्च डाक बंगला चौराहे पहुंचा पुलिस ने बल का प्रयोग किया। जाप प्रमुख पप्पू यादव की अगुवाई में निकले इस मार्च में लोगों ने सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जमकर नारे लगाए और प्रदर्शन किया। मार्च जब डाकबंगला चौराहा पहुंचा तो पुलिस ने लाठी चार्ज कर दिया। कार्यकर्ताओं के जबरदस्त विरोध के बावजूद उन्हें आगे नहीं बढ़ने दिया गया। मौके पर पप्पू यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना हिटलर से करते हुए कहा कि 2024 के चुनाव में हमें इस सरकार से मुक्ति चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों को दोगुनी एमएसपी के लिए, बेरोजगार, नौजवानों के रोजगार के लिए हमें मोदी से मुक्ति लेनी होगी। उन्होंने कहा कि अग्निवीर योजना देश के युवाओं के लिए अभिशाप की तरह है। हम अग्निवीर योजना को समाप्त करने की मांग करते हैं। किसानों के उत्पादन पर जीएसटी की निंदा करते हैं। प्रदर्शन के दौरान महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष रानी चौबे ने कहा

कि अब खाने वाले पदार्थ पर भी जीएसटी वसूल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महंगाई के कारण देश के गरीब और मध्यम परिवार के लोग पिस रहे हैं, लेकिन सरकार विपक्ष नेताओं से निपटने में व्यस्त है। उन्होंने कहा कि मंहगाई को लेकर यह आंदोलन निर्बाध गति से चलता रहेगा।

जम्मू कश्मीर में गैर-मतदाताओं के मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक जारी

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में गैर–स्थानीय मतदाताओं के समावेश के मुद्दे पर विचारविमर्श के लिए नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला के आह्वान पर आयोजित सर्वदलीय बैठक जारी है। सर्वदलीय बैठक में पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती, कांग्रेस पार्टी प्रदेश अध्यक्ष वकार रुरुल, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी से एम वाई तारीगामी, अवामी नेशनल कांफ्रेंस से मुअफ्फर शाह और जम्मू कश्मीर शिव सेना के अध्यक्ष मनीष साहनी शामिल हैं। पीपुल्स कांफ्रेंस से सज्जाद लोन और अपनी पार्टी के अध्यक्ष अल्ताफ बुखारी ने हालांकि बैठक से दूरी बनायी है। सर्वदलीय बैठक में भाग लेने से पहले नव नियुक्त जम्मू कश्मीर कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी प्रदेश में गैर–स्थानीय मतदाताओं को मतदान सूची में जोड़ने के खिलाफ है। शिव सेना नेता साहनी ने कहा कि मौजूदा सरकार डोगरा, कश्मीरियों और गुर्जरों की पहचान को विकृत कर रही है। श्री साहनी ने श्री अब्दुल्ला के आवास के बाहर संवाददाताओं से कहा, "जम्मू–कश्मीर संकट में है और लोकतंत्र में जनता सर्वोच्च हैं और हमें अपनी विचारधाराओं के बावजूद जनता की मदद के लिए एकजुट होना होगा।"

किसानों की 'महापंचायत के मद्देनजर सिंघु और गाजीपुर बॉर्डर समेत दिल्ली की सीमाओं पर सुरक्षा बढ़ायी, यातायात प्रभावित

नई दिल्ली। जंतर–मंतर पर किसानों के संगठन द्वारा बुलायी गई 'महापंचायत के मद्देनजर सिंघु और गाजीपुर बॉर्डर समेत दिल्ली की सीमाओं पर सोमवार को सुरक्षा कड़ी कर दी गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली के गाजीपुर बॉर्डर पर भारी यातायात जाम देखा गया जबकि सिंघु बॉर्डर पर भी वाहनों की रफ्तार थम–सी गयी है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि राजधानी में प्रवेश कर रहे सभी वाहनों की तलाशी ली जा रही है और पुलिस कर्मियों को ''सतर्क रहने को कहा गया है। विशेष पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) दीपेंद्र पाठक ने कहा, ''हमने पर्याप्त बंदोबस्त किए हैं ताकि कानून एवं व्यवस्था बनी रहे और जान और माल को कोई नुकसान न पहुंचे। श्श पुलिस ने बताया कि जंतर मंतर पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है और अतिरिक्त अवरोधक लगाए गए हैं। वहां प्रवेश करने की कोशिश कर रहे हर व्यक्ति की व्यापक तलाशी ली जाएगी ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। विशेष पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) सागर प्रीत हुड्डा ने कहा, ''आम तौर

पर पुलिसकर्मी जंतर मंतर पर तैनात रहते हैं लेकिन सोमवार को हमने 'महापंचायत के देखते हुए अतिरिक्त बल की तैनाती की है। उन्होंने बताया कि दिल्ली के कई हिस्सों में यातायात बाधित हो सकता है क्योंकि पुलिस ने सीमा चौकियों पर अवरोधक लगाए हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि गाजीपुर बॉर्डर पर वाहनों की लंबी कतारें देखी गयीं क्योंकि पुलिस हर वाहन की तलाशी ले रही है। यह 'महापंचायत के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था का हिस्सा है। पुलिस ने बताया कि 'महापंचायत को देखते हुए सिंघु बॉर्डर पर अतिरिक्त जांच चौकियां लगाने के कारण वाहनों की रफ्तार धीमी हो गयी है। एक अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, ''अतिरिक्त चौकियों के कारण यातायात की रफ्तार धीमी हो गयी है। हम स्थिति से निपट रहे हैं। कर्मियों को तैनात किया गया है और जनता को कोई असुविधा पहुंचाए बिना व्यवस्था की जाएगी। पुलिस ने ट्वीट कर वाहन चालकों से किसानों की महापंचायत के कारण टॉलस्टॉय मार्ग, संसद मार्ग, जनपथ रोड, अशोक रोड, कनॉट प्लेस के बाहरी सर्किल, बाबा खड़ग सिंह मार्ग और पंडित पंत मार्ग से यात्रा करने से बचने को कहा है। अधिकारियों ने बताया कि संयुक्त किसान मोर्चा और अन्य किसान संगठन महापंचायत का आयोजन कर रहे हैं और वे बाहरी जिले से होकर गुजरेंगे, जिसमें गाजियाबाद में गाजीपुर बॉर्डर भी आता है।

जगन मोहन रेड्डी ने मोदी से पोलावरम परियोजना के लिए संशोधित लागत अनुमानों की मंजूरी देने की मांग की

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और गोदावरी नदी पर बनने वाली पोलावरम सिंचाई परियोजना के लिए संशोधित लागत अनुमानों को शीघ्र मंजूरी देने की मांग की। मुख्यमंत्री ने बाद में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात की। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री से हुई 40 मिनट की मुलाकात के दौरान रेड्डी ने पोलावरम परियोजना को लेकर चर्चा की और विजयनगरम जिले में प्रस्तावित भोगापुरम हवाईअड्डे के निर्माण को मंजूरी दिए जाने, चिकित्सा महाविद्यालयों की स्थापना किए जाने और केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत राज्य सरकार को कोष जारी किए जाने की मांग की। मुख्यमंत्री रेड्डी पोलावरम परियोजना के लिए प्रधानमंत्री से 55,548.87 करोड़ रुपये के संशोधित लागत अनुमानों को मंजूरी देने की पिछले कुछ समय से मांग करते रहे हैं। मुख्यमंत्री का तर्क है कि राज्य सरकार राहत और पुनर्वास को आगे ले जाने की स्थिति में नहीं है क्योंकि इसमें बहुत अधिक खर्च है। इससे पहले, पोलावरम सिंचाई परियोजना की

लागत 35,000 करोड़ रुपये थी। इस परियोजना का लक्ष्य 2.91 लाख हेक्टेयर भूमि पर सिंचाई, 960 मेगावाट बिजली का उत्पादन और उद्योग व आंध्र प्रदेश के 540 गांवों के लिए पानी की जरूरतें पूरी करना है। दो दिवसीय दौरे पर दिल्ली पहुंचे मुख्यमंत्री रेड्डी ऊर्जा मंत्री आर के सिंह से भी मुलाकात कर सकते हैं। इस दौरान वह आंध्र प्रदेश को हुए बिजली राजस्व घाटे के साथ ही तेलंगाना सरकार द्वारा आंध्र प्रदेश को दिए जाने वाले बकाए के मुद्दे पर चर्चा कर सकते हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने दोनों नेताओं के बीच हुई मुलाकात से जुड़ी कुछ तस्वीरें भी साझा कीं। विगत तीन महीने के भीतर रेड्डी और मोदी के बीच हुई यह दूसरी मुलाकात थी।

भारत जोड़ो' यात्रा सम्मेलन में आये प्रतिनिधियों से मिले राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस की 'भारत जोड़ो' यात्रा के सिलसिले में देशभर के नागरिक संगठनों के प्रतिनिधियों का सोमवार को यहां एक सम्मेलन हुआ जिसमें कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी सहित कई अन्य वरिष्ठ नेताओं ने इन प्रतिनिधियों के साथ विचार विमर्श किया। कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' सात सितंबर से शुरु होगी। पार्टी के उदयपुर सम्मेलन में तय हुआ था कि कांग्रेस की 'भारत जोड़ो' यात्रा त्रिवेंद्रम से शुरु होकर 35 सौ किलोमीटर के सफर के बाद जम्मू कश्मीर में समाप्त होगी जिसमे पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ ही नागरिक संगठनों के प्रबुद्ध लोग भी हिस्सा लेंगे। नागरिक प्रतिनिधियों को भारत जोड़ो यात्रा का विवरण देने के लिए आज यहां एक सम्मेलन हुआ जिसमें कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने यात्रा को लेकर विस्तृत विवरण पेश किया। इस दौरान श्री गांधी के साथ ही पार्टी की कई अन्य नेताओं ने नागरिक संगठनों के प्रतिनिधियों से विचार विमर्श किया।

न्यायालय ने महाराष्ट्र स्थानीय निकाय चुनावों पर यथास्थिति बरकरार रखने का आदेश दिया

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को महाराष्ट्र सरकार तथा राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) को राज्य में स्थानीय निकायों की चुनाव प्रक्रिया के संबंध में यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया। मुख्य न्यायाधीश एन वी रमण, न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति जे बी परदीवाला की पीठ ने महाराष्ट्र सरकार की याचिका पर सुनवाई की, जिसमें शीर्ष न्यायालय के एक आदेश को वापस लेने का अनुरोध किया गया है। इस आदेश में न्यायालय ने एसईसी को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को आरक्षण देने के लिए 367 स्थानीय निकायों में चुनाव प्रक्रिया को फिर से अधिसूचित न करने का निर्देश दिया था, जहां पहले ही चुनाव प्रक्रिया शुरू हो गयी है। सुनवाई की शुरुआत में सीजेआई ने कहा कि इस मामले पर व्यापक सुनवाई की आवश्यकता है और वह इसके अंतिम निस्तारण के लिए अलग से एक विशेष पीठ का गठन करेंगे। शीर्ष न्यायालय ने आदेश में कहा, ''हमने वकीलों की दलीलें सुनी हैं। मामले पर व्यापक सुनवाई की आवश्यकता है। इसे देखते हुए हम पक्षकारों को यथास्थिति बरकरार रखने का निर्देश देते हैं। मामले को पांच हफ्ते बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करें। एक विशेष पीठ का गठन किया जाएगा। गौरतलब है कि राज्य सरकार स्थानीय निकाय चुनावों में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए एक अध्यादेश लेकर आयी थी। इसके बाद सरकार ने उच्चतम न्यायालय का रुख करते हुए उससे अपना आदेश वापस लेने या उसमें संशोधन करने का अनुरोध किया था। इस आदेश में न्यायालय ने एसईसी को ओबीसी को आरक्षण देने के लिए स्थानीय निकायों में चुनाव प्रक्रिया को फिर से अधिसूचित न करने का निर्देश दिया था, जहां पहले ही चुनाव प्रक्रिया शुरू हो गयी है।

न्यायालय पीएमएलए पर दिए गए फैसले की समीक्षा करने के लिए दायर अर्जी को सूचीबद्ध करने को तैयार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को गिरफ्तारी,धनशोधन के मामलों से जुड़ी संपत्ति को कुर्क करने, तलाशी और जब्ती के अधिकार के पक्ष में दिए गए फैसले की समीक्षा करने के लिए दायर अर्जी को सूचीबद्ध करने के लिए सोमवार को सहमत हो गया। प्रधान न्यायाधीश एन. वी. रमण की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष जब इस मामले का उल्लेख किया गया तो पीठ ने कहा, ''ठीक है, हम सूचीबद्ध करेंगे। उल्लेखनीय है कि उच्चतम न्यायालय ने 27 जुलाई को दिए फैसले में पीएमएलए के प्रावधानों की वैधानिकता को बरकरार रखते हुए टिप्पणी की थी कि दुनिया में यह आम अनुभव है कि धनशोधन वित्तीय प्रणाली के ठीक से काम करने के रास्ते में ''खतरा'' हो सकता है। शीर्ष अदालत ने रेखांकित किया कि यह ''साधारण अपराध''नहीं है। केंद्र जोर दे रहा है कि धनशोधन का अपराध न केवल अनैतिक कारोबारियों द्वारा किया जाता है बल्कि आतंकवादी संगठन भी इसे अंजाम देते हैं, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है। न्यायमूर्ति ए.एम.खानविलकर की अध्यक्षता वाली पीठ ने अपने फैसले में कहा था कि 2002 के अधिनियम के तहत प्राधिकारी '' पुलिस की तरह नहीं है'' और प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) की तुलना भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के तहत दर्ज प्राथमिकी से नहीं की जा सकती। पीठ ने फैसले ने कहा कि हर मामले में संबंधित व्यक्ति को ईसीआईआर मुहैया करना अनिवार्य नहीं है और ईडी के लिए गिरफ्तारी के वक्त आधार का खुलासा करना ही पर्याप्त है। याचिकाकर्ताओं ने मामले में ईसीआईआर की सामग्री का खुलासा आरोपियों के समक्ष नहीं करने का मुद्दा उठाया था।

सम्पादकीय

हर घर पेयजल

जल जीवन मिशन के तहत देश के दस करोड़ ग्रामीण परिवारों को नल के जरिये पेयजल मुहैया कराया जा चुका है। वर्ष 2019 में जब इस अभियान का प्रारंभ हुआ था, तब हर छह में से एक परिवार के पास यह सुविधा थी। अब 52 प्रतिशत परिवार अपने घर में ही पीने का साफ पानी पा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ दिन पहले इस आशय की घोषणा की। लक्ष्य के अनुसार 2024 तक शेष 9।20 करोड़ ग्रामीण परिवारों को पेयजल उपलब्ध कराया जाना है। निश्चित रूप से अब तक की उपलब्धि बहुत उत्साहजनक है, लेकिन आगे की राह आसान नहीं है। देश के दुर्गम और पर्वतीय क्षेत्रों में संबंधित इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने में कठिनाई होना स्वाभाविक है। इस अभियान में राज्यों की महत्वपूर्ण भूमिका है। लक्ष्य पूर्ति के लिए आवश्यक है कि वे तेजी से काम करें और समुचित वित्त की व्यवस्था करें। उल्लेखनीय है कि जल जीवन मिशन के लिए केंद्र सरकार ने 3।5 लाख करोड़ रुपये की भारी राशि देने का प्रावधान किया है।जिन केंद्रशासित प्रदेशों में विधायिका नहीं है, वहां पूरा खर्च केंद्र द्वारा वहन किया जा रहा है। पूर्वोत्तर के राज्यों और विधायिका वाले केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा खर्च में दस प्रतिशत योगदान का प्रावधान है। अन्य राज्यों में खर्च में केंद्र और राज्य सरकारें बराबर की साझीदार हैं।

जानकारों का मानना है कि राज्यों के पास अतिरिक्त धन है और उनमें अगर इच्छाशक्ति है, तो वे पानी जैसी बुनियादी जरूरत की पूर्ति के लिए खर्च कर सकते हैं। पंद्रहवें वित्त आयोग के तहत 26,900 करोड़ रुपये का निश्चित कोष उपलब्ध है, जिसे पानी और स्वच्छता संबंधी परियोजनाओं के लिए पंचायतों को दिया जाना है।राज्य सरकारों को इसका लाभ उठाना चाहिए। पहले भी पेयजल से संबंधित अनेक अभियान चलाये गये थे, जिनमें 1986 का राष्ट्रीय पेयजल मिशन भी शामिल है, लेकिन गांवों में हर घर तक पेयजल पहुंचाने पर विशेष जोर जल जीवन मिशन में दिया गया है। इस अभियान के अंतर्गत 84 प्रतिशत से अधिक सरकारी स्कूलों (8।65 लाख) तथा 80 प्रतिशत आंगनबाड़ी केंद्रों (8।94लाख) तक पानी पहुंचाया जा चुका है। लगभग 40 लाख किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बनाने के इस अभियान में लगभग 30 हजार इंजीनियर व अधिकारी तथा कई हजार ठेकेदार एवं श्रमिक जुटे हुए हैं। अब बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाओं और बच्चों को पानी लाने के लिए बाहर या दूर नहीं जाना पड़ रहा है।दूषित पानी पीने से भी लोगों को मुक्ति मिली है तथा देश को स्वच्छ व स्वस्थ बनाने के संकल्प को साकार किया जा रहा है। संक्रामक रोगों का सबसे बड़ा कारण दूषित पानी है। ऐसे रोगों से बड़ी संख्या में बच्चों की मौत हमारे लिए गंभीर चुनौती रही है। राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र के एक अध्ययन के अनुसार, स्वच्छ पेयजल उपलब्धता वाले क्षेत्रों में 2019 से 2021 के बीच संक्रामक रोगों में 66 प्रतिशत की कमी आयी है। सभी सरकारों को इस अभियान को पूरा करने में जुट जाना चाहिए।

नेता, मीडिया, न्यायपालिका से ज्यादा हिम्मत निर्भया की मां ने दिखाई

निर्भया की मां ने वही हिम्मत दिखाई जो वे इतने सालों से लगातार दिखाती आ रही थीं। बाकी अच्छे अच्छों को सांप सूंघ गया। बिलकिस बानो के बलात्कारियों की रिहाई उनके स्वागत सम्मान पर उनमें से कोई नहीं बोला जिन्होंने निर्भया के मामले को पूरी तरह राजनीतिक बना दिया था। ऐसा राजनीतिक माहौल पैदा कर दिया था जैसे बलात्कार में दिल्ली की कांग्रेस सरकार और केन्द्र की यूपीए सरकार की गलती हो। जबकि केन्द्र और राज्य की दोनों सरकारें पूरी तरह निर्भया के साथ खड़ी थीं। उसे इलाज के लिए सिंगापुर पहुंचाया। परिवार को सुरक्षा और मानसिक संबल दिया। राहुल गांधी ने निर्भया के भाई को पायलट बनवाया। बिना किसी प्रचार के। चुपचाप। बाद में निर्भया के परिवार ने ही यह रहस्योद्घाटन किया कि कैसे राहुल चुपचाप परिवार की मदद करते रहे। राहुल ऐसे काम करते रहे हैं। अभी कोरोना में एक पत्रकार ने रोते हुए अपना बहुत ही दयनीय वीडियो बनाकर सार्वजनिक किया था। राहुल को जैसे ही पता चला उन्होंने फौरन मदद भेजी। खुद फोन किया। हर मदद का भरोसा दिलाया। अब कौन भूल जाता है, कौन याद रखता है यह राहुल कभी नहीं सोचते। मगर अच्छी बात यह है कि निर्भया की मां आशादेवी ने अपना बुरा समय याद रखा। उन्होंने कहा कि बलात्कारियों का स्वागत होते देखकर खून खौल उठता है। उनको तो फांसी होना चाहिए।कोई बड़ी बात नहीं कि कल तक एक बहादुर महिला के तौर पर सम्मान पा रहीं आशा देवी को अब ट्रोल भी करवाया जाने लगा। ज्यादा पुरानी बात नहीं है जब भाजपा की सबसे बड़ी महिला नेता रहीं सुषमा स्वराज को इस हद तक ट्रोल किया गया था कि उनके पति से कहा जा रहा था शाम को घर लौटने पर बाल पकड़कर घसीटते हुए उनकी पिटाई करें। सुषमा जो विदेश मंत्री थीं। दुनिया में भारत की प्रतिनिधि। उनके लिए ऐसे कहा जा सकता है तो फिर किसी के लिए भी कुछ भी कहा जा सकता है। हालत इतने गंभीर बना दिए गए हैं कि भक्त लोग और मीडिया किसी को भी बख्शने को तैयार नहीं हैं। यहां तक कि सेना को भी। चीन की घुसपैठ का बचाव करने के लिए एक एंकर बोलती हैं कि यह तो सेना की गलती है सरकार थोड़ी घुसपैठ रोकने आएगी। ऐसे खतरनाक समय में निर्भया की मां का बोलना वाकई बहुत हिम्मत का काम है। जिस समय राजनीतिक दल तक बोलने की हिम्मत नहीं कर रहे हों। न्यायपालिका खामोश हो और मीडिया की तो बात ही करना फिजूल है। ऐसे में एक लंबे संघर्ष से थकी मां फिर खड़ी हो जाए यह बहुत बड़ी बात है। नेताओं में ऐसी ही हिम्मत राहुल गांधी ने दिखाई। प्रियंका ने दिखाई। बलात्कारियों के छोड़ने पर सवाल उठाए। हाथरस में दलित लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार और हत्या, कठुआ में नाबालिग बच्ची के साथ कई दिन तक सामूहिक बलात्कारए उन्नाव रेप केस में आज तक पीड़िता को धमकियां मिलना भी याद करवाया। गुजरात में इसी साल चुनाव हैं और गुजरात सरकार ने बलात्कारियों, हत्यारों, जिनमें तीन साल की बच्ची की हत्या का मामला भी शामिल है को छोड़ दिया। क्या मतलब है इसका। भाजपा के ही एक विधायक ने बताया कि यह ब्राह्मण थे। अच्छे संस्कारी थे इसलिए इन्हें रिहा कर दिया। निर्भया की मां ने पूछा कि क्या संविधान में लिखा है कि अगर ब्राह्मण बलात्कारी है तो उसे छोड़ दिया जाए, साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अगर अच्छे संस्कार थे तो बलात्कार क्यों किया। दरअसल जब नफरत और विभाजन राजनीतिक तौर पर बढ़ाई जाती है तो वह फिर किसी को नहीं छोड़ती। दिमाग और जबान इतनी खराब हो जाती है कि उसे पता ही नहीं होता कि वह किसका फायदा और किसका नुकसान कर रही है। नफरत के मारे भाजपा विधायक सीके राउलजी तो पता ही नहीं है कि वे ब्राह्मणों का अपमान कर रहे हैं। पूरे एक समुदाय का अपमान। किसे पता था कि बलात्कार करने वालों में से 11 ब्राह्मण थे। यह बात बड़ी शान से भाजपा के विधायक बता रहे हैं। बलात्कारियों को संस्कारी बता रहे हैं। यह कैसा देश बनाना चाह रहे हैं पता नहीं इन्हें मालूम भी है या नहीं। दुनिया भर में बलात्कारी का कहां सम्मान होता है। और सबसे बड़ी दुख की बात तो यह कि यह लोग निर्भया बलात्कार पर राजनीति करके ही सत्ता में आए थे। आज अगर पूछा जाए कि सबसे बड़ा खलनायक कौन हैं? तो अन्ना हजारे के अलावा क्या कोई और नाम आएगा। बलात्कार पर राजनीति करने वाला वह शख्स आज कहां है। जो दूसरा गांधी बन गया था वह व्यक्ति आज देश में इतनी समस्याएं देखकर चुप कहीं बैठा है।हमने तब भी कहा था कि वह एक नकली आदमी था। भेड़ की खाल में भेड़िया। जो भोले, विश्वासी लोगों को बेवकूफ बनाने आया था। उसे संघ द्वारा लाया गया था। क्या याद है। उस समय क्या किसी को याद है। भ्रष्टाचार, नारी पर अत्याचार, लोकपाल! आज कहा हैं। सबसे बड़ी विडंबना यह थी कि कांग्रेस का बड़ा हिस्सा इस भ्रमजाल में फंस गया था। हमें याद है कि सबसे ज्यादा कांग्रेसी इस बात पर आश्चर्य करते थे कि हम अन्ना हजारे के खिलाफ उतना क्यों लिख रहे हैं। एक बड़े नेता का सवाल हमें आज तक याद है कि उन्होंने कहा था कि आप उनसे प्रभावित नहीं हैं? उन्हें दूसरा झटका तब लगा था जब हमने कहा कि हम जयप्रकाश नारायण से भी नहीं थे। पाठकों को शायद याद होगा कि जयप्रकाश ने कहा था कि अगर संघ साम्प्रदायिक है तो मैं भी हूं। यह भारत का दुर्भाग्य रहा कि यहां लोगों को बेवकूफ बनाना सबसे आसान है। लोग बाद में चिल्लाते हैं कि उनके साथ धोखा हो गया। मगर उस समय जब उनसे कहो कि यह कोई महात्मा, दूसरे गांधी या उपकारी पुरुष नहीं हैं बल्कि किसी की कठपुतली हैं तो वे नहीं मानते। उल्टे लड़ने आ जाते हैं। कबीर ने कहा है ना। सांच कहो तो मारन धावैं। 1967 में सबसे पहले गैरकांग्रेसवाद के नाम पर लोहिया ने जनसंघ का साथ दिया। उसी के बाद से जनसंघ जो आज कि भाजपा है का राजनीतिक विस्तार शुरू हुआ। फिर 1974। 75 में जेपी ने ऐसे ही कांग्रेस के खिलाफ जनसंघ और संघ को साथ लेकर आंदोलन किया। लोगों को यह तो याद नहीं कि उस समय जेपी ने सेना से सरकार के आदेश न मानने की अपील की थी। अराजकता की पराकाष्ठा। मगर यह याद है कि इन्दिरा गांधी ने इमरजेंसी लगाई थी। सेना से सरकार की बात न मानने के आह्वान के बाद एक प्रधानमंत्री को क्या करना चाहिए। कांग्रेस की गलतियां होंगी। हजार होंगी। मगर जनता को बेवकूफ बनाने की ऐसे कामों में उसकी संलिप्तता कहीं नहीं मिलती। लोहिया, जेपी, फिर वीपी सिंह का झूठा आंदोलन, जिसके लिए उन्होंने बाद में माफी मांगी से लेकर अन्ना के आंदोलन तक हर बार जनता ठगी गई। बलात्कारियों के खिलाफ तो क्या सत्ता पक्ष, क्या विपक्ष सबको सामने आना चाहिए था। निर्भया का मामला मिसाल था। मगर अब सत्ता पक्ष और मीडिया तो क्या विपक्ष के अधिकांश नेता भी सामने नहीं आए हैं।यह राजनीति का सवाल नहीं है।

कांबली से उपजे सवालों के जवाब जरूरी

हाल में खबर आयी कि पूर्व क्रिकेटर विनोद कांबली इन दिनों आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। उन्होंने एक अखबार को बताया कि उनके पास भारतीय क्रिकेट बोर्ड से मिलने वाली 30 हजार रुपये पेंशन के अलावा कमाई का दूसरा जरिया नहीं है। कांबली अभी 50 साल के हैं और उनका मानना है कि रिटायरमेंट के बाद आपके लिए क्रिकेट पूरी तरह से खत्म हो जाता है। उन्होंने कहा कि मुंबई क्रिकेट ने उन्हें बहुत कुछ दिया है। वह इस खेल के लिए अपनी जिंदगी दे सकते हैं। उन्होंने मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन से काम की उम्मीद जतायी। वह क्रिकेट में सुधार संबंधी समिति का हिस्सा हैं, पर यह अवैतनिक काम है। उन्होंने अपने बचपन के दोस्त सचिन तेंदुलकर के बारे में कहा कि वह सब कुछ जानते हैं, लेकिन वह उनसे कुछ उम्मीद नहीं करते हैं। कांबली तेंदुलकर मिडिलसेक्स ग्लोबल एकेडमी से जुड़े हुए थे, पर लंबी यात्रा करने की जरूरत के कारण उन्होंने यह काम छोड़ दिया था। उनकी मौजूदा आर्थिक स्थिति का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वह मैदान पर कोई भी काम करने को तैयार हैं। कांबली को लेकर यही माना जाता है कि उनमें सचिन तेंदुलकर से ज्यादा प्रतिभा थी, लेकिन विवादों के कारण उनका करियर सही नहीं चला और 2000 के बाद तो वह गुमनामी के अंधेरे में खो गये। विनोद कांबली ने अपने स्कूल के दिनों में सचिन तेंदुलकर के साथ रिकॉर्ड 664 रनों की साझेदारी की थी, जिसने क्रिकेट जगत में सनसनी मचा दी थी। इस साझेदारी में कांबली ने 349 रन और सचिन ने नाबाद 326 रन बनाये थे। कांबली ने भारत के लिए 104 वनडे और 17 टेस्ट मैच खेले हैं, 17 टेस्ट मैचों में 54।20 के औसत से 1084 रन बनाये हैं और 227 रन उनका सर्वाधिक स्कोर रहा है। उन्होंने टेस्ट में चार शतक और तीन अर्धशतक लगाये हैं। वनडे में उन्होंने 104 मैच में 32।59 के औसत से 2477 रन बनाये हैं, जिसमें दो शतक और 14 अर्धशतक शामिल हैं। अपने देश में क्रिकेट ही एकमात्र ऐसा खेल है, जिसमें पर्याप्त पैसा है। इस पर विमर्श हो सकता है कि कांबली यदि करियर पर ध्यान देते, तो वह न केवल आर्थिक रूप से ज्यादा सशक्त होते, बल्कि खिलाड़ी के रूप में भी उन्हें ज्यादा सम्मान मिलता। टीम में जगह बनाने वाले कई खिलाड़ी बहुत मामूली पृष्ठभूमि से आते हैं और भारतीय क्रिकेट को नयी ऊंचाइयों तक पहुंचाते हैं। सुनील गावस्कर, बिशन सिंह बेदी, सचिन तेंदुलकर और कृष्णामचारी श्रीकांत जैसे जाने–माने खिलाड़ियों के बच्चों ने कोशिश तो बहुत की, लेकिन वह कोई कमाल नहीं दिखा पाये। कुछ अरसा पहले तो स्थिति यह थी कि भारतीय क्रिकेट टीम में देश के दो बड़े शहरों– मुंबई और दिल्ली– के खिलाड़ियों का ही बोलबाला रहता था। इनमें से अधिकांश खिलाड़ी संपन्न परिवारों से होते थे। माना जाता था कि क्रिकेट केवल अंग्रेजीदां लोगों का खेल है। कपिल देव से यह परंपरा बदली और धौनी के पदार्पण के बाद तो भारतीय क्रिकेट टीम का पूरा चरित्र ही बदल गया। धौनी ने तो तीनों फॉर्मेट में न केवल टीम का सफल नेतृत्व किया, बल्कि छोटी जगहों से आने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए टीम में आने का रास्ता भी खोला। अच्छी बात यह है कि आइपीएल टीमों में छोटे शहरों और कस्बों के युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिल रहा है। आजमगढ़ जिले के रहने वाले सरफराज खान और प्रवीण दुबे, गाजीपुर के मूल निवासी सूर्यकुमार यादव और भदोही के यशस्वी जायसवाल के साथ शिवम दुबे आईपीएल खेल रहे हैं। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को जब मौका मिला, तो उन्होंने निराश नहीं किया। उनके पिता हैदराबाद में ऑटो रिक्शा चालक थे और ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान उनके पिता का निधन हो गया था, लेकिन वह मैदान में डटे रहे। चर्चित बल्लेबाज शुभमन गिल का पैतृक निवास पंजाब का जैमलवाला गांव है। एक और चर्चित खिलाड़ी टी नटराजन तमिलनाडु के सलेम जिले से हैं। उनके पिता एक पावरलूम इकाई में दिहाड़ी मजदूर और मां गुमटी लगाती थीं। शार्दुल ठाकुर मुंबई से 90 किलोमीटर दूर पालघर में रहते हैं। वाशिंगटन सुंदर 2016 के अंडर 19 विश्व कप में भारतीय टीम के हिस्सा थे। उनके पिता मामूली खिलाड़ी थे, लेकिन बेटे ने उन्हें निराश नहीं किया। दरअसल, हमें अपने आर्थिक मॉडल पर भी विमर्श करने की जरूरत है। नयी अर्थव्यवस्था और टेक्नोलॉजी ने भारत को वैश्विक कर दिया है। हम पश्चिम का मॉडल तो अपना रहे हैं, लेकिन उससे उत्पन्न चुनौतियों की ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। अगर वैश्वीकरण के फायदे हैं, तो नुकसान भी हैं। यह संभव नहीं है कि आप विदेशी पूंजी निवेश की अनुमति दें और आपकी संस्कृति में कोई बदलाव न आए। कुछ समय पहले तक भारत में संयुक्त परिवार की व्यवस्था थी, जिसमें बुजुर्ग परिवार के अभिन्न हिस्सा थे। नयी व्यवस्था में परिवार एकल हो गये– पति पत्नी और बच्चे। यह पश्चिम का मॉडल है। पश्चिम के सभी देशों में परिवार की परिभाषा है– पति पत्नी और 18 साल से कम उम्र के बच्चे। बूढ़े मां–बाप और 18 साल से अधिक उम्र के बच्चे परिवार का हिस्सा नहीं माने जाते हैं। भारत में भी अनेक संस्थान और विदेशी पूंजी निवेश वाली कंपनियां इसी परिभाषा पर काम करने लगी हैं। सामाजिक व्यवस्था में आये इस बदलाव को हमने नोटिस नहीं किया है।– **आशुतोष चतुर्वेदी**

आज का राशिफल

मेष :– कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। सभी इच्छाओं को सकार करने से पूर्व गहन सोच–विचार करें। आकस्मिक यात्रा की योजना बन सकती है। घर में खुशहाली रहेगी।

वृषभ :– सामाजिक संबंधों में व्यस्तता बढ़ेगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। कुछ नये संबंधों के प्रति मन उत्साहित होगा। रोजगार में लाभकारी स्थिति मन को खुश रखेगी।

मिथुन :– सामाजिक गतिविधियों में आपकी क्रियाशीलता बढ़ेगी। नये लक्ष्य एवं नये कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। आर्थिक क्षेत्र में परिश्रम का पूरा लाभ प्राप्त होगा। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सतर्कता बरतें।

कर्क :– नये कार्य के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। काफी दिनों से अवरोधित कोई कार्य हल होने की संभावना है। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयास करें।

सिंह :– अपने पद एवं मर्यादा ख्याल रखते हुए उच्छश्रंखल मन को नियंत्रित करें। आकस्मिक कोई सुखद समाचार से मन प्रसन्न होगा। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।

कन्या :– कोई नयी इच्छा मन पर प्रभावी होगी। सामान्य दिनचर्या के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। कार्यक्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी। अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। जरूरी कार्य समय से पूर्ण करें।

तुला :– निराशावादी विचार योजनाओं की सार्थकता में बाधक हैं। एक साथ कई चिंताओं से मन ग्रसित होगा। अभिभावकों एवं श्रेष्ठजनों के सहयोग से समस्याएं हल होंगी। जीवन साथी से मधुरता कायम रखें।

वृश्चिकः– नई प्रतिभाएं उजागर होंगी। प्रिय लोगों का सानिध्य मिलेगा। शिक्षा–प्रतियोगिता की दिशा में मन उसके परिणाम हेतु चिंतित होगा। रोजगार में लाभकारी स्थिति खुश रखेगी।

धनु :– वाक्यपटुता एवं व्यवहार कुशलता से संबंधों में प्रगाढ़ता होगी। भौतिक आकांक्षाएं सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति हेतु मन केंद्रित होगा। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

मकर :– कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। अतरू इसमें सुधार लायें। घर में किसी मेहमान के आगमन से व्यय संभव।

कुंभ :– नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। कार्यक्षेत्र में अनवरत् व्यस्तता रहेगी। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। घर–परिवार में वातावरण उत्साहित होगा।

मीन :– महत्वपूर्ण कार्य की समयानुकूल पूर्ति हेतु मन चिंतित होगा। प्रतिभाओं पर भरोसा रख महत्वपूर्ण लक्ष्यों को फलीभूत करने हेतु केंद्रित हों। ग्रहों की अनुकूलता प्रगति के अवसर प्रदान करेगी।

दक्षिण में बदलते सियासी हालात

छह दक्षिणी राज्यों– तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल और पुडुचेरी में अलग–अलग पार्टियां सत्ता में हैं। राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनाव में जिन पार्टियों– कांग्रेस, डीएमके, टीआरएस, सीपीएम ने विजयी उम्मीदवारों का समर्थन नहीं किया, उन्हें बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। राहुल गांधी पर इनकी निर्भरता भी अचरज की बात है और उनका कांग्रेस अध्यक्ष बनने से इनकार भी इन क्षेत्रीय पार्टियों के लिए एक धक्का है। कांग्रेस भी लगातार कमजोर हो रही है। दक्षिण भारत के सभी क्षेत्रीय दल श्रीलंका में रुके चीन के खुफिया जहाज की जासूसी से संरक्षण चाहते हैं। विशेष रूप से तमिलनाडु, केरल और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्रियों ने या तो केंद्र को पत्र लिखा है या केंद्रीय नेताओं से मिलकर इसरो, कुडनकुलम संयंत्र, कोच्चि बंदरगाह, बंगाल की खाड़ी में तैनात परमाणु पनडुब्बियों जैसे स्थानों की चीनी जासूसी पर विरोध जताया है। अगर श्रीलंका में संकट बना रहता है, तो शरणार्थियों की समस्या आ सकती है तथा प्रतिबंधित लिट्टे जैसे संगठनों के अतिवादी व समर्थक आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु के बंदरगाहों तक नाव से पहुंच सकते हैं। दक्षिणी राज्यों के मतदाताओं ने छह पार्टियों को ताकतवर जरूर बनाया है, पर वे सभी केंद्र सरकार के निकट आना चाहते हैं, ताकि उनके राज्यों को आर्थिक पैकेज, अतिरिक्त अनुदान, परियोजनाओं के लिए मदद मिल सके। जब उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ दूसरी बार चुने गये, तो दक्षिणी राज्यों में भाजपा के प्रति धारणा में व्यापक बदलाव आया। उस जनादेश से यह संकेत गया कि हिंदी पट्टी में मोदी–योगी डबल इंजन के असर को तोड़ा नहीं जा सकता। इससे दक्षिण के मतदाताओं का रूझान भी बदल रहा है। चार पार्टियां– डीएमके, वाईएसआर कांग्रेस, सीपीएम और टीआरएस नरेंद्र मोदी और भाजपा का जम कर विरोध करते हैं। इन दलों को लगता था कि भाजपा उत्तर प्रदेश हार जायेगी और 2024 में विरोधी दलों को जनादेश मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा किये जा रहे डिजिटल बदलाव, कोरोना महामारी का बहुत अच्छा प्रबंधन, मोदी शासन में भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं होना जैसे कारकों से युवाओं की सोच बदलने लगी है। क्षेत्रीय दल 2023 गुजरने के इंतजार में है। तब तक दक्षिण के मुख्यमंत्री मोदी के करीब दिखना चाहते हैं। कभी स्टालिन की पार्टी डीएमके ने काले झंडों और गुब्बारों से मोदी का विरोध किया था तथा उत्तर भारतीय विरोधी माहौल बनाया था, पर उत्तर प्रदेश के नतीजे के बाद यह सब बदल गया। स्टालिन ने अंतरराष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता के उद्घाटन के लिए प्रधानमंत्री को आमंत्रित किया। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव प्रधानमंत्री से मुलाकात के लिए चार दिन दिल्ली रहे, पर उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा। लगभग सभी क्षेत्रीय दलों ने प्रधानमंत्री के विरुद्ध अभद्र भाषा बोलना कम कर दिया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने हाल में कहा कि उनकी पार्टी अपनी मूल विचारधारा से नहीं डिगेगी तथा किसी भी हाल में भाजपा और आरएसएस से समझौता नहीं करेगी। प्रधानमंत्री से मुलाकात के बारे में उन्होंने कहा कि वे मुख्यमंत्री होने के नाते विकास योजनाओं के लिए प्रधानमंत्री से मिलने जा रहे हैं। इसे डीएमके और भाजपा के बीच संबंध समझा जाना चाहिए। इस माह वाईएसआर कांग्रेस के अध्यक्ष और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी दो बार प्रधानमंत्री मोदी से मिल चुके हैं। रेड्डी खेमे के उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री से चंद्रबाबू नायडू की पार्टी तेलुगु देशम से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा के लिए समय मांगा गया था। कहा जा रहा था कि इस माह के शुरू में नीति आयोग की बैठक के बाद ही मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री से आमने–सामने मिलने का समय मांगेंगे, लेकिन प्रधानमंत्री की अति व्यस्तता के कारण ऐसा न हो सका था। शायद तभी जगन रेड्डी ने प्रधानमंत्री से बाद का कोई समय मांगा था और प्रधानमंत्री कार्यालय ने उन्हें सूचित किया था कि वे इसी महीने बाद में दिल्ली आ सकते हैं। खबरों में कहा जा रहा है कि भाजपा तेलुगु देशम की ओर कुछ झुकाव दिखाने लगी है। दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी और चंद्रबाबू नायडू की संक्षिप्त मुलाकात से यह स्पष्ट भी हुआ है। ऐसे में प्रधानमंत्री और रेड्डी की मुलाकात अहम हो जाती है। सूत्रों की मानें, तो उस बैठक की अवधि कम से कम एक घंटे हो सकती है तथा उसमें आंध्र प्रदेश से जुड़े मसलों के साथ–साथ व्यक्तिगत से लेकर राजनीति तक हर मुद्दे पर चर्चा की संभावना है। हालांकि राज्य को धन आवंटित करने में केंद्र उदार रहा है, पर ऐसे मुद्दे हैं, जिनका समाधान होना है।

इनमें पोलावरम बांध का निर्माण और पुनर्वास का विषय अहम है, जो राज्य के लिए बड़ा सिरदर्द है। मुख्यमंत्री तीन राजधानियों के मुद्दे पर केंद्र का समर्थन भी मांग सकते हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि उच्च न्यायालय द्वारा मार्च में अमरावती पर दिये गये फैसले को राज्य सरकार सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दे सकती है। जगन रेड्डी मानते हैं कि तीन राजधानियों के मामले में वर्तमान प्रधान न्यायाधीश एनवी रमना मुख्य बाधा हैं। वह सेवानिवृत्त होने वाले हैं। फिर राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करेगी। अगर केंद्र राज्य सरकार से सहयोग करेगा, तो जगन को हाइकोर्ट के आदेश पर स्थगन मिल सकता है। यह एक मुद्दा हो सकता है, जिस पर शायद वे प्रधानमंत्री मोदी से बात करें।

ज्वार के जरिए खाद्य सुरक्षा

अब तक हमारा देश खाद्य।सुरक्षा के लिए गेहूं और धान पर ही निर्भर रहा हैए किन्तु अब इसे एक नया मोड़ देने का समय आ गया है। वास्तव में अलग।अलग क्षेत्रों के मोटे और अधिक पौष्टिक अनाज इसमें शामिल होने चाहिए। मध्यप्रदेश के लिए ज्वार को बढ़ावा देना उचित कदम होगा। हमें याद रखना चाहिए कि मध्यप्रदेश में ज्वार की खेती का जो रकबा वर्ष 1980 में 23 लाख हेक्टेयर था, वर्ष 2016।17 में घटकर केवल 2 लाख हेक्टेयर हो गया। ज्वार को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम हो सकते हैं?यह हमारा ध्यान आदिवासी अंचलों पर होना चाहिए। ज्वार की खेती को फैलाने के लिए जरूरी होगा कि हम सरकारी खरीदी की पुख्ता व्यवस्था बनाएं। दूरदराज के इलाकों के लिए विकेंद्रीकृत व्यवस्था ही चल सकती है। गेहूं के अनुभव से हम इसकी बारीकियां सीख सकते हैं। पिछले वर्ष ज्वार का समर्थन मूल्य 2738 रुपए थाए जबकि किसान इसे मंडी या गांव में 1400 से 1600 के आस।पास बेच रहे थे। यदि इतना अंतर रहा तो इसके प्रति कोई आकर्षित नहीं होगा। समर्थन मूल्य मिलने पर ही छोटे किसानों को प्रोत्साहन मिलेगा। सभी परिवारों के नगद की आवश्यकता होती है और सोयाबीन की तरफ भागने का यही मुख्य कारण रहा है। ज्वार को बढ़ावा देने के लिए चिन्हित क्षेत्रों में सामूहिक प्रयास करना चाहिए। फसलों में परिवर्तन तभी आते हैं जब एक साथ कई व्यवस्थाओं को संजोया जाए। खाद, बीज उपलब्ध करवाना, समर्थन मूल्य पर खरीदनाय सरकार का स्टॉक श्भारतीय खाद्य निगम, तक पहुंचाना, कृषि विज्ञान एवं पारंपरिक ज्ञान का मेल करवाना, फसल के लिए बीमा करवाना।ये सभी एक साथ करने की जरूरत होगी। ये सब काम सरकार ही कर सकती है। एक बार यह परंपरा में आ जाए तब बाजार व्यवस्था इसे फैला सकती है। खाद्य।सुरक्षा के लिए जरूरी है कि ज्वार मध्यप्रदेश में राशन दुकानों से उपलब्ध हो। आज जहां चार किलो गेहूं एवं एक किलो चावल मिलता है, वहीं तीन किलो गेहूं और एक किलो ज्वार दिया जा सकता है। यह व्यवस्था बनाने के लिए राज्य सरकार को भारतीय खाद्य निगम एवं केंद्र सरकार के साथ पहल करनी होगी और इसे एक मुद्दा बनाना होगा। तभी यह घोषणाओं से बढ़ कर क्रियान्वयन की तरफ जा सकता है। खाद्य।सुरक्षा के कई आयाम हैं, केवल राशन दुकान ही एकमात्र आयाम नहीं है। हम गेहूं के सन्दर्भ में देखते हैं कि छोटे किसान एवं खेतीहर मजदूर अपने घर की जरूरत के लिए अनाज भरते हैं। अपने खेतों से या मजदूरी से कुछ व्यवस्था कर लेते हैं। जैसे ज्वार का रकबा बढ़ता है, इसका उपयोग भी बढ़ेगा। ज्वार यहां का पारंपरिक खाद्यान्न है और इसका चलन वापस आ सकता है। यह अधिक पौष्टिक भी होगा और गेहूं का एक विकल्प भी। इसके साथ ही खाद्य।सुरक्षा के लिए सरकार को अनाज के भाव के नियंत्रण में रखना जरूरी है। शहरी क्षेत्रों के परिवारों को अनाज खरीदना होता है और गरीब परिवारों पर यह बोझ भारी पड़ता है। अक्सर हम यह भूल जाते हैं कि ग्रामीण क्षेत्र में भी बहुत परिवार हैं जिन्हें कुछ महीनों का अनाज खरीदना पड़ता है, क्योंकि बाकी व्यवस्था से साल भर की पूर्ति नहीं हो पाती है। अत, अनाज के भाव खाद्य।सुरक्षा के लिए बहुत अहम भूमिका निभाते हैं। वर्ष 1943 के बंगाल के अकाल से हमने सीखा कि खाद्यान्न की कमी मुख्य कारण नहीं था, बल्कि अनाज के भाव ऐसे आसमान पर पहुंच गए थे जहां खेतीहर मजदूर, मछुआरे, दस्तकार आदि अनाज खरीद नहीं पाए और उन्हें भूखों मरना पड़ा। भारतीय खाद्य निगम, के बफर स्टॉक का एक उद्देश्य यह भी है कि वह बाजार के भाव को नियंत्रण में रख पाए। इस कारण हम देखते हैं कि खाद्य निगम कई बार अपने स्टॉक से मैदा मिलों को गेहूं सप्लाई करता है। इस वर्ष गेहूं के भाव को संभालना मुश्किल होगा। –भारतीय खाद्य निगम– ने मैदा मिलों की सप्लाई को रोक दिया है। स्टॉक कम होने का कारण है, बिना होम।वर्क किए, हमने गेहूं के निर्यात को खोल दिया था।यदि गेहूं पर निर्भरता कम करके इन मोटे पर्यापौष्टिक, अनाजों के चलन को बढ़ावा मिलता हैए तो लोगों के पास विकल्प होंगे। उदाहरण के लिए ज्वार और गेहूं एक दूसरे के बदले में उपयोग किए जा सकते हैं। यदि किसी भी कारण से एक का भाव तेज है तो दूसरे का अधिक उपयोग किया जा सकता है। सरकार के लिए भी नियंत्रण करना ज्यादा आसान होगाए यदि इन पौष्टिक अनाजों का भण्डारण गेहूं के साथ।साथ किया जाए। सैद्धान्तिक रूप से शायद इसे माना भी जाता है, पर –भारतीय खाद्य निगम– या राज्य सरकारों द्वारा कोई ठोस योजना नजर नहीं आती है, बल्कि इसकी उलटी दिशा नजर आती है।मध्यप्रदेश के ,खाद्य, नागरिक।आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, के आंकड़े यह कहानी बखूबी बयान करते हैं। वर्ष 2018।19 में गेहूं का उपार्जन 73 लाख टन था और ज्वार का उपार्जन केवल 0ण्06 लाख टन। वर्ष 2020।21 में गेहूं का उपार्जन बढ़कर 129 लाख टन हो गया और ज्वार का उपार्जन घट कर 0 हो गया। कथनी और करनी में बहुत अंतर है और बिना इसे पाटे कोई हल नहीं निकाला जा सकता। ज्वार को बढ़ावा देने के लिए कुछ मुख्य चरण हैंए जिन्हें पहले लेने होंगेए तभी लोगों में विश्वास बन पायेगा। श्समर्थन मूल्य, पर खरीदी की व्यवस्था ही इस प्रक्रिया को शुरू कर सकती है। गेहूं का उपार्जन बहुत बढ़ा है, क्योंकि उसकी खरीदी गांव के पास के केन्द्रों पर होती है और प्रक्रिया सुचारू रूप से चलती है। यही व्यवस्था ज्वार के लिए होनी चाहिए। इससे किसानों में विश्वास बढ़ेगा और ज्वार का फैलाव होगा। यह चरण शुरू होते ही बाजार भाव भी बढ़ेगा और कुछ वर्षों में किसानों के पास दोनों विकल्प होंगे, मंडी में बेचें या सरकारी केंद्र पर।– **अरविन्द सरदाना**

पर्यटन क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं को देखते हुए की जाए जमीन की व्यवस्था : जयवीर

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार पर्यटन विभाग की अधूरी परियोजनाओं की आज गहन समीक्षा करते हुए प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने उन्हें गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय में पूरा करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता को लेकर कोई समझौता नहीं किया जायेगा। इस मामले में लापरवाही एवं उदासीनता बरतने वाली कार्यदायी संस्थाओं एवं संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जायेगी। मुख्यमंत्री ने विगत 18 अगस्त को विभिन्न विभागों की अधूरी परियोजनाओं को पूरा न किये जाने पर अक्रोश व्यक्त किया था और उन्हें यथाशीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिये थे। पर्यटन मंत्री ने कहा कि पर्यटन क्षेत्र में भारी निवेश की संभावनाओं को देखते हुए भविष्य में सेवा क्षेत्र जैसे होटल, रेस्टोरेन्ट, ट्रांसपोर्ट, ट्रेबल आदि के लिए जमीन की आवश्यकता होगी, इसको दृष्टिगत रखते हुए महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों के आस–पास जमीन की व्यवस्था अभी से सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी के विजन के अनुसार ओडीओडी, ऐडवेन्चर, ऐतिहासिक, धार्मिक, इको–टूरिज्म, हेलीपोर्ट, रोपवे, गढ़ी हवेली एवं पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थलों पर बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए जमीन की उपलब्धता सुनिश्चित करानी होगी। जयवीर सिंह आज यहां पर्यटन भवन में पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण परियोजनाओं एवं विभिन्न सर्किट के अंतर्गत संचालित निर्माणाधीन योजनाओं के प्रगति की समीक्षा भी की। उन्होंने कहा कि सेवा सेक्टर का पर्यटन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान है। प्रतिवर्ष लगभग 20 प्रतिशत की दर से सेवा सेक्टर में बढ़ोत्तरी हो रही है। पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थलों पर बुनियादी सुविधाओं की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश पर्यटकों के लिए सर्वाधिक सुरक्षित होने के कारण देशी–विदेश सैलानियों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। इसके अलावा इस सेक्टर में निवेशकों की रूचि बढ़ रही है। पर्यटन मंत्री ने कहा कि कतर्नियां घाट, मिर्जापुर एवं चन्दौली के जल प्रपातों इसके अलावा अन्य पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थलों की ओर दूसरे राज्यों के पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए प्रदेश में अवस्थापना सुविधाओं का विकास जरूरी है। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी किसानों से बात कर निर्धारित दर पर जमीन खरीदने का कार्य तेजी से सुनिश्चित करें। इसके अलावा भारत सरकार एवं राज्य सरकार के पीएसयू के पास भी बेकार पड़ी जमीनों को चिन्हित करें। उन्होंने कहा कि मण्डल विकास निगम, स्टेट वेयर कारपोरेशन तथा सरकारी अन्य जमीनों की भी पहचान करें। उन्होंने विभिन्न जनपदों में जमीन खरीदने की प्रक्रिया को और तेज करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि वाराणसी, गोरखपुर, कुशीनगर, बौद्धिष्ट सर्किट कौशाम्बी, विन्ध्यवासिनी कॉरीडोर, मिर्जापुर तथा अयोध्या कॉरीडोर के लिए भूमि की उपलब्धता यथाशीघ्र सुनिश्चित करायी जाए।

मोदी सरकार मे एक भी मुसलिम मंत्री नही : आफ़ाक

लखनऊ। आज राष्ट्रिय समाजिक संगठन के संयोजक मोहम्मद आफाक ने जारी अपने बयान मे कहा। भारतिय जनता पार्टी भार्तियो की नही सिर्फ हिन्दु समुदाय के लिये हे क्योकी भारतिय जनता पार्टी मे संन्सदी बोर्ड हो य मैन बौडी मे कोई भी मुसलिम चेहरा नही हिन्दुत्व पे चलने वाली भारतिय जनता पार्टी की स्थिती साफ हो गयी हैं।

और ये मे कहेने पर मजबुर हु के ये संविधानिक दायरे पे पार्टी नही चलेगी खास तौर से मुसलिम और ईसाइ के चेहरे को बाहर रक्खा गया हे मुखतार अब्बास नकवी शहनवाज हुसैन को भी बाहर का रास्ता दिखा दिया आगे मोहम्मद ने कहा आजादि के बाद से आज तक किसी भी पार्टी ने मुसलमानो के खिलाफ सियासत नही की देश को तरक्की खुशहाली की तरफ बड़ता रहा।

और मुसलिम समुदाय को नही किसी भी समुदाय को नजर अंदाज नही किया भारतिय जनता पार्टी ही ऐसी पार्टी हे जो मुसलमानो पे सियासत करके सरकार मे बने रहेना चाहति है।

रमाकांत से जेल में मिले अखिलेश यादव

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। सपा मुखिया और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव आज 22 अगस्त को जेल में निरुद्ध सपा विधायक रमाकांत यादव से मिलने के लिए दोपहर दो बजे पहुंचे। इसके पूर्व वह दिन में 10 बजे लखनऊ से कार द्वारा चलकर दो बजे इटौरा स्थित जेल पहुंचे। एक घंटा जेल में मुलाकात के बाद तीन बजे सड़क मार्ग से लखनऊ के लिए रवाना लौट आये। उनके आजमगढ़ दौरे को सियासत के कई नजरिए से जोड़कर देखा जा रहा है। माना जा रहा है पार्टी में संगठन के स्तर पर मजबूती को लेकर वह जेल में मुलाकात करने पहुंचे। फूलपुर पवई विधायक रमाकांत यादव बहुचर्चित माहुल शराब कांड समेत कई पुराने मामलों को लेकर सलाखों के पीछे हैं। एससी एसटी एक्ट समेत दो मामलों में कोर्ट उनको पूर्व में जमानत दे चुकी है लेकिन कई अन्य्य मामलों में जमानत न हो पाने की वजह से अभी सलाखों में पीछे हैं। पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे से इटौरा स्थित जेल आते समय रास्ते में सेहदा के पास पूर्व मंत्री चंद्रदेव राम यादव करैली ने उन्हें रोककर स्वागत किया। फूलपुर–पवई विधायक रमाकांत यादव बहुचर्चित माहुल शराब कांड समेत कई मामलों में सलाखों के पीछे हैं। एससी–एसटी एक्ट समेत दो मामलों में कोर्ट उनको जमानत दे चुकी है। रमाकांत से अखिलेश का मिलने आना सियासी नजरिए से देखा जाने लगा है। चुनावी गढ़ में बदलते सियासी समीकरण के बीच इसे वर्ष 2024 के लिए महत्वपूर्ण समझा जा रहा है। धर्म–जाति के समीकरण वाले जिले में भाजपा ने उपचुनाव में ही शिवपाल के खास सिपहसालार को तोड़ 2024 की नींव मजबूत कर चुकी है।

सपा के चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने डीजीपी से की मुलाकात

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने कहा है कि उनके वरिष्ठ नेता आजम खान का उत्पीड़न किया जा रहा है। इसकी शिकायत करने के लिए सपा के प्रतिनिधिमंडल ने डीजीपी मुख्यालय में डीजीपी से मुलाकात की। पूर्व मंत्री समेत चार सदस्यों ने डीजीपी से मांग की है कि मोहम्मद आजम खां और उनके परिवार पर किया जा रहा उत्पीड़न रोका जाए। प्रतिनिधिमंडल ने समाजवादी पार्टी के लेटर पैड पर लिखित में शिकायत दी है। सपा ने डीजीपी को दिए पत्र में लिखा है कि आजम खान पर मुकदमों की बाढ़ सी आ गई है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव कह चुके हैं कि मोहम्मद आजम खान के प्रति विद्वेष पूर्वक कार्यवाही की जा रही है। वह इसका विरोध करते हैं और उनके निर्दोष होने की बात कह रहे हैं। इन सबके बावजूद भाजपा उनसे हद दर्जे तक नफरत करती है क्योंकि आजम खान ने रामपुर में गरीबों की तालीम की व्यवस्था करने का गुनाह किया है। उन्होंने मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय की स्थापना करके युवाओं के ज्ञान को विस्तार भी दिया है। सपा के प्रतिनिधिमंडल की मांग की है कि रामपुर जिला प्रशासन मोहम्मद आजम खां और उनके परिवार के खिलाफ कथित आरोपों में उत्पीड़न की कार्रवाई तत्काल रोके।

सीएमएस के नये गोल्फ सिटी कैम्पस में कम्प्यूटर लैब का उद्घाटन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोल्फ सिटी कैम्पस में आज नवनिर्मित विश्व स्तरीय 'कम्प्यूटर लैब' का भव्य उद्घाटन हुआ। सी.एम.एस. संस्थापक व प्रख्यात शिक्षाविद् डा. जगदीश गाँधी ने फीता काटकर 'कम्प्यूटर लैब' का विधिवत् शुभारम्भ किया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में डा. गाँधी ने कहा कि सी.एम.एस. अपने छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु उन्हें शान्तिपूर्ण शैक्षिक वातावरण के साथ ही जरूरी संसाधन व तकनीक प्रदान करने को संकल्पित है। इस कम्प्यूटर लैब के माध्यम से छात्रों को छोटी उम्र से ही कम्प्यूटर क्षेत्र की जानकारी मिलेगी और यही बच्चे भविष्य में बड़े होकर होनहार वैज्ञानिक बनेंगे व विज्ञान, तकनीक व अन्य क्षेत्रों में देश का नाम रोशन करेंगे। उद्घाटन अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित छात्रों, शिक्षकों व अभिभावकों ने भावी पीढ़ी के सर्वांगीण विकास हेतु सी.एम.एस. के प्रयासों की दिल खोलकर सराहना की। इस अवसर पर सी.एम.एस. छात्रों ने रंगारंग शिक्षात्मक साँस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीत लिया। सी.एम.एस. प्रेसीडेन्ट व एम.डी. प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने इस अवसर पर कहा कि सी.एम.एस. की विश्व स्तरीय कम्प्यूटर लैब में नवीनतम टेक्नोलॉजी से अपलोडेड कम्प्यूटर स्थापित किए गये है, साथ ही अध्यापन व अध्ययन को रोचक बनाने के लिए विभिन्नउच्चस्तरीय तकनीक, शिक्षण सहायक सामग्री और सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराये गये हैं। इस कम्प्यूटर लैब में छात्रों को कम्प्यूटर व विज्ञान के ज्ञान के साथ ही उसके रचनात्मक उपयोग की भावना का भी विकास होगा।

नेशनल कॉलेज में स्नातक प्रवेश परीक्षा शुरू, पहले दिन 3605 ने दी परीक्षा

लखनऊ। नेशनल पीजी कॉलेज में नए सत्र 2022–23 की स्नातक प्रवेश परीक्षा सोमवार से शुरू हो गई। पहले दिन लुआक्टमैट के लिए दो पालियों में प्रवेश परीक्षा हुई। पहली पाली में बीसीए, बीकॉम आनर्स और बीवोक साफ्टवेयर एण्ड डेवलपमेंट और दूसरी पाली में बीएजेएमसी, बीबीए, बीबीए एमएस, बीबीए पर्यटन, बीवोक बैंकिंग एण्ड फाइनेंस पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए परीक्षा हुई। दोनो पालियों में 3605 छात्र–छात्राओं ने परीक्षा दी और 620 ने परीक्षा छोड़ी। प्रश्न पत्र हल करने के लिए 90 मिनट का समय दिया गया। 100 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे गए। प्रश्न पत्र हल करने के लिए हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं के विकल्प दिए गए थे। 50 प्रश्न दसवीं और 12 वीं के पाठ्यक्रम के थे। 20 सवाल सामान्य अध्ययन, 20 रीजनिंग एवं 10 सवाल हिन्दी व अंग्रेजी के थे। पहली पाली सुबह 11 बजे शुरू हुई।

पुलिस विभाग में कराया जा रहे निर्माण कार्यो का लोकार्पण होगा शीघ्र

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पुलिस विभाग में चल रहे आवासीय एवं अनावासीय निर्माण कार्यों में गतिशीलता लाने के लिए शासन द्वारा गंभीरता से प्रयास किये जा रहे है। अपर मुख्य सचिव, गृह अवनीश कुमार अवस्थी की अध्यक्षता में आज लोक भवन स्थित कमाण्ड सेण्टर में सम्पन्न एक उच्च स्तरीय बैठक में पुलिस विभाग हेतु 5 करोड़ रूपये तक धनराशि की प्रचलित 21 विभिन्न आवासीय एवं अनावासीय परियोजनाओं में अब तक हुई प्रगति की समीक्षा की गयी। इसके लिए लगभग 30 करोड़ 44 लाख रूपये की धनराशि कार्यदायी संस्था को उपलब्ध कराई गई है। जिन 21 प्रचलित परियोजनाओं की प्रगति समीक्षा की गई उनमें विशेष रूप से 44वी वाहिनी मेरठ में दो स्टोर, ललितपुर में पुलिस अधीक्षक के गोपनीय कार्यालय, प्रतापगढ़ में सर्किल सदर में क्षेत्राधिकारी के आवासीय भवन, फिरोजाबाद के थाना रसूलपुर में प्रशासनिक भवन एवं अन्य कार्य, पुलिस महानिरीक्षक गोरखपुर परिक्षेत्र के कार्यालय एवं आवासीय परिसर में चल रहे कार्य, अपर पुलिस महानिदेशक, गोरखपुर जोन के चौम्बर,आगन्तुक कक्ष व गोरखपुर के थाना बड़हलगंज में आवासीय भवनों के निर्माण कार्य व गोरखपुर के थाना कैण्ट के प्रशासनिक भवन का निर्माण कराया जा रहा है। कानपुर नगर के थाना बादशाही नाका के प्रशासनिक भवन के निर्माण कार्य, प्रतापगढ़ में क्षेत्राधिकारी, सदर के आवासीय भवन, सोनभद्र के थाना हाथी नाला के निर्माण कार्य, 44वी वाहिनी पीएसी मेरठ में चल रहे निर्माण कार्य, बुलन्दशहर की पुलिस चौकी खुर्जा जंक्शन के अनावासीय भवनों के निर्माण कार्य, 38वी वाहिनी पीएसी अलीगढ़ में सड़क निर्माण कार्य, उन्नाव के थाना बीघापुर में महिला पुलिस चौकी परामर्श केन्द्र, प्रयागराज के स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय परिसर में स्थायी पुलिस चौकी के विस्तार, पुलिस महानिरीक्षक, आगरा के कार्यालय में विद्युत सम्बन्धी कार्य किये जा रहे है। पी0ए0सी0 को और अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु 6 वी वाहिनी पीएसी में पानी की पुरानी पाईप लाईन को बदलने संबंधी कार्य, मुरादाबाद 24 वी वाहिनी पीएसी एवं 44वी वाहिनी पीएसी मेरठ में विभिन्न निर्माण कार्य किये जा रहे है। साथ ही 32वी वाहिनी पीएसी लखनऊ में हाउस गार्द हेतु टेटों के स्थान पर प्री फैब्रीकेटेड बैरक का निर्माण कार्य किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि पुलिस विभाग के लिये कुल 661 आवासीय एवं अनावासीय भवनों का निर्माण कार्य कराया जा रहा है जिसके लिये कुल स्वीकृत लागत 554578.03 लाख रूपये है। इनमें से मा0 मुख्यमंत्री जी घोषणा के सापेक्ष किये जाने वाले कार्यो की संख्या 472 है जिनमें 57 अग्निशमन केन्द्र 10 चौकी, 38 थाना, 36 पुलिस लाइन में ट्रार्जिसट हास्टल, 46 पुलिस लाइन में पुरूषध्महिला हास्टल, 31 पीएसी वाहिनी में बैरक, 247 थानों पर हास्टल, 3 शिक्षण प्रशिक्षण संस्थानों का विस्तार, 3 महिला पीएसी वाहिनी के आवासीय व अनावासीय भवन व एक पुलिस लाईन्स का निर्माण कार्य शामिल है। इसके अलावा 189 निर्माण कार्य भी किये जा रहे है।

05 वर्षो में 22000 मेगावॉट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सौर ऊर्जा क्रांति की ओर बढ़ रहे प्रदेश में आगामी पांच वर्षों के लक्ष्य को पूरा करने के लिए नयी सौर नीति तैयार करने के निर्देश दिये हैं। सीएम कल ऊर्जा आवश्यकताओं की समीक्षा कर चुके हैं। सौर ऊर्जा प्रकल्पों को बढ़ावा देने की जरूरत पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने नई सौर ऊर्जा नीति तैयार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता और बढ़ती ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति के लिए गैर पारंपरिक ऊर्जा विकल्पों को प्रोत्साहन दिया जाना आवश्यक है। सौर ऊर्जा इस दृष्टि से अत्यंत उपयोगी माध्यम है। यद्यपि विगत वर्षों में इस दिशा में प्रयास हुए हैं, किंतु ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए हमें और तेज प्रयास करना होगा। सौर ऊर्जा उत्पादन को प्रोत्साहित करने के लिए ठोस प्रयास किया जाना आवश्यक है। पारंपरिक ऊर्जा विकल्पों पर अपनी निर्भरता न्यूनतम करनी होगी। ऐसे में भविष्य की जरूरतों के दृष्टिगत नई सौर ऊर्जा नीति तैयार की जाए। हमारा लक्ष्य अगले 05 वर्ष में 22,000 मेगावॉट सोलर पॉवर उत्पादन का होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश सरकार ने अयोध्या को श्मॉडल सोलर सिटीश के रूप में विकसित करने की महत्वपूर्ण योजना पर काम कर रही है। यह परियोजना अन्य शहरों के लिए मानक प्रस्तुत करेगी। सौर ऊर्जा उत्पादन और भंडारण के क्षेत्र में निजी क्षेत्र के निवेश के लिए अनुकूल माहौल देना होगा। परियोजनाओं को समय से पूर्ण करने के लिए सिंगल विंडो प्रणाली लागू की जाए। सौर ऊर्जा क्षेत्र की निवेशकर्ता कंपनियों के लिए भूमि की सुलभ उपलब्धता, पूंजीगत उपादान सहित जरूरी सहयोग उपलब्ध कराये जाएंगे। नवीन सौर ऊर्जा नीति तैयार करते समय औद्योगिक जगत से परामर्श करें। निवेशकर्ता संस्थाओं,कंपनियों की जरूरतों को समझें। सभी पक्षों की राय लेते हुए व्यापक विमर्श के बाद नवीन नीति तैयार की जाए। भवनों की छत पर सौर ऊर्जा प्लांट के लिए जनजागरूकता बढ़ाना होगा। जिलों में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में एक सोलर सेल का गठन करे। सौर परियोजनाओं का पंजीकरण अनिवार्य किया जाए। शासकीय, आवासीय, सार्वजनिक क्षेत्र, निजी व्यावसायिक भवनों, शिक्षण संस्थानों में रूफटॉप सोलर पॉवर प्लांट लगाने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जाए। वॉटर बॉडी पर भी सोलर प्लांट लगाया जाना चाहिए। आवश्यकतानुसार नेट बिलिंग,नेट मीटरिंग की व्यवस्था से जोड़ा जाना चाहिए। कारागार में बंद कैदियों को सौर ऊर्जा उपकरण बनाने के लिए प्रशिक्षण दिया जाए।

लखनऊ में अब्बास अंसारी के दस ठिकानों पर छापेमारी

लखनऊ। लखनऊ पुलिस अब्बास की तलाश में सोमवार शाम को एक साथ दस ठिकानों पर छापेमार की। महानगर पुलिस ने अब तक उसके विधायक निवास समेत 100 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी कर चुकी है, लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। अब्बास की तलाश में पुलिस टीम पंजाब, गोवा, बिहार और महाराष्ट्र में भी लगातार छापेमारी कर रही है। चर्चा है कि उसकी आखिरी लोकेशन पंजाब मिली है। एडीसीपी उत्तरी कासिम आबदी की अगुवाई में महानगर पुलिस ने पीएसी के साथ मुख्तार अंसारी के विधायक बेटे अब्बास अंसारी के निशांतगंज स्थित मेट्रो अपार्टमेंट में छापेमारी की। इसके साथ ही अन्य सात टीमों ने शहीद पथ पर स्थित उसके एक अपार्टमेंट समेत चिनहट, आलमबाग, नाका और पुराने लखनऊ में रहने वाले गुर्गों के घर छापेमारी की। पुलिस टीम उसकी तलाश में लखनऊ के साथ ही मऊ, गाजीपुर और दिल्ली के आसपास भी दबिश दे चुकी है। मुख्तार के मऊ सदर से विधायक बेटे अब्बास अंसारी की धर पकड़ की टीमों की एडीसीपी उत्तरी अनिल कुमार यादव अगुवाई कर रहे हैं। आजकल टीम पंजाब, बिहार, गोवा और महाराष्ट्र में भी छापेमारी कर रही है। उसकी आखिरी लोकेशन पंजाब में होने की बात कही जा रही है, लेकिन लखनऊ में इस तरह की दबिश ने एक बार फिर उसके लखनऊ में आने की आशंका को बढ़ा दिया है। कोर्ट में भी उसको भगोड़ा घोषित करने से लेकर संपत्ति कुर्की तक के लिए प्रार्थना पत्र दिया गया है। जिस पर 25 अगस्त को सुनवाई होगी। जिसमें एसीपी महानगर जया शांडिल्य, एसीपी गाजीपुर राजकुमार सिंह, एसीपी क्राइम पंकज श्रीवास्तव और एसीपी साइबर सेल दिलीप कुमार शामिल हैं।

टाऊन वेंडिग कमेटी ने लाटरी के माध्यम से ३० दुकानो का किया आंवटन

ç;kxjktA नवाब युसुफ रोड स्थित बी.एस. एन एल वेन्डिग जोन के लिए सुभाष चौराहे से हाईकोर्ट डा०अम्बेडर की मूर्ती बालमीकी चोराहा से खाबन्दा चौराहे के आस–पास मुख्य मार्ग के पटरी दुकानदारों को चिंहित वेन्डर जोन में 107 पटरी दुकानदारों को दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन शहरी पथ विक्रेताओ के सहायतार्थ योजना के अन्तर्गत बी एस एन एल आकिस के पास निर्मित वेंडिग जोन में अस्थाई विस्थापन हेतु लॉटरी के माध्यम से फूड हब के लिए 30 पंजिकृत पटरी दुकानदारो को अपर नगर आयुक्त अविनाश राय की अध्यक्षता में ताऊन वेन्डिग कमेटी के सदस्यो की उपस्थिती में करायी गयी।

जिसकी वीडियो ग्राफी फोटो ग्राफी के पंजिकरण की रसीद के साथ 48 दुकानदारो की लाटरी करायी गयी। टी वी सी सदस्य रवि शंकर द्विवेदी ने बताया बचे हुये 18 पथ विक्रेताओ को आगे होने वाली लाटरी में प्राथमिक्ता दी जायेगी। वर्तिका सिंह ने बताया शासन से बजट मिलते ही आगे की दुकानो आंवटन किया जायेगा। लाटरी में पी ओ डूडा वर्तिका सिंह अंशूमान गौड़ कर अधीक्षक जोन 3पुलिस विभाग से नामित सदस्य रवि शंकर द्विवेदी विमल गुप्ता मुकेश सोनकर लीला वती पाण्डे गनेश गुप्ता मो० अनस सहित नामित सदस्य उपस्थि रहे। लाटरी में मिली दुकानदारो ने पिछले कई वर्षों से इंतजार में थे कब मिलेगी दुकाने आज सपना साकार हुआ।

कर्बला मलका जहां का निरीक्षण के लिए पहुचे शिया वक्फ बोर्ड के चेयरमैन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड के चेयरमैन अली जैदी ने आज ऐशबाग में स्थित कर्बला मलका जहां की आराजी पर स्थित बेशकीमती जमीनों का निरीक्षण किया। कर्बला मलका जहां के निरीक्षण के लिए पहुंचे शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड के चेयरमैन अली जैदी के साथ कर्बला मलका जहां के मुतवल्ली तनवीर हुसैन के अलावा मौलाना शबाहत हुसैन, कमेटी के सदस्य जाफर रजा और पप्पू मिर्जा के साथ कमेटी के अन्य सदस्य भी मौजूद थे। कर्बला मलका कहां पहुंचे शिया वक्फ बोर्ड के चेयरमैन अली जैदी ने कहा है कि वो कर्बला की बेशकीमती जमीन पर कब्जा नही होने देंगे और बेशकीमती जमीन पर कब्जा करने का प्रयास करने वाले भूमाफिया के खिलाफ प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर उनसे शिकायत करेंगे। कर्बला मलका जहां के मुतवल्ली तनवीर हुसैन ने बताया कि कर्बला मलका जहाँ की आराजी पर 153 किराएदार चिन्हित किए गए हैं जिसमें से 20 किराएदार की कमेटी में अपना किराया जमा करते हैं। उनका कहना है कि कर्बला की बेशकीमती जमीन पर काबिल किराया न देने वाले किरायेदारों को नोटिस तामील कराने की प्रक्रिया चल रही है उनका कहना है कि कर्बला के पीछे स्थित बड़ी जमीन का चंद्र सोसाइटी से कर्बला कमेटी का कोर्ट में मामला चल रहा है और इस बीच किसी तीसरे पक्ष ने खाली पड़ी जमीन पर दबंगई के बल पर कब्जा करने का प्रयास किया था जिसके सम्बन्ध में कमेटी के द्वारा वक्फ बोर्ड को पत्र लिखकर चेयरमैन से शिकायत की गई थी। उनका कहना है कि कर्बला की पीछे खाली पड़ी करोड़ों रुपए की बेशकीमती जमीन पर कुछ भूमाफिया जबरदस्ती कब्जा करने का प्रयास लगातार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 2 दिन पहले कुछ दबंग जमीन पर कब्जा करने के लिए आए तो उन्होंने इस संबंध में वक्फ बोर्ड के अलावा बाजार खाला पुलिस को भी सूचना दी थी उनका कहना है कि कर्बला मलका जहां की आराजी पर बसे किरायेदारों को नोटिस भेजकर कानूनी प्रक्रिया के तहत किराया जमा करने के लिए कहा जाएगा यदि फिर भी अवैध रूप से काबिल लोगों ने किराया नहीं जमा किया तो इन जमीनों को खाली कराए जाने के लिए भी कानूनी प्रक्रिया शुरू की जाएगी। कर्बला मलका जहां की बेशकीमती जमीन पर दबंग भू माफियाओं के द्वारा कब्जा किए जाने के प्रयास की सूचना के बाद वक्फ बोर्ड के चेयरमैन अली जैदी जब कर्बला मलका जहां के निरीक्षण के लिए पहुंचे तो वहां सन्नाटा पसर गया। उन्होंने कर्बला की जमीन पर काबिज किराएदार जो किराया नही जमा कर रहे और खाली पड़ी जमीन के संबंध में कर्बला के मुतवल्ली तनवीर हुसैन से विचार विमर्श करने के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भूमाफियाओं के खिलाफ कार्यवाही के लिए पत्र लिखे जाने की बात कही है। आपको बता दें कि मार्च के महीने में तनवीर हुसैन गुड्डू को कर्बला मलका जहां का मुतवल्ली नियुक्त किया गया था अपनी नियुक्ति के बाद तनवीर हुसैन ने कर्बला की जमीन पर काबिज किरायेदारों के मकानों की नंबरिंग करा कर किराया न जमा करने वाले किरायेदारों से किराया जमा करने के लिए कहा था बावजूद इसके 20 किराएदार ही कमेटी में किराया जमा कर रहे है। तनवीर हुसैन का कहना है कि वो कानूनी प्रक्रिया के तहत ही कार्य करेगे।

सिचाई के लिए सरकार लगायेगी दो हजार राजकीय नलकूप

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार किसानों के हितों को लेकर सतत प्रयत्नशील रहती है। उपज बढ़े और खुशहाल हो किसान,इसलिए संसाधन जुटाने में जुटी है। हर खेत तक पानी पहुँच सके इसके लिए राजकीय नलकूपों की व्यवस्था में जुटी है।

लखनऊ, गोरखपुर, देवरिया, मेरठ समेत सभी जिलों के किसानों के लिए अच्छी खबर है कि योगी सरकार राज्य के अलग–अलग जिलों में किसानों के लिए दो हजार सरकारी नलकूप लगाएगी ताकि किसानों को फसलों की सिंचाई में आसानी हो। सभी जिलों में सरकारी नलकूप लगाने के लिए जलशक्ति विभाग की ओर से प्रस्ताव लाया जाएगा। यूपी कैबिनेट की स्वीकृति के बाद इस प्रस्ताव को राज्य में लागू किया जायेगा। इससे किसानों को फसलों की सिंचाई में कोई परेशानी नहीं होगी। उत्तर प्रदेश के अलग–अलग जिलों में 1073 सरकारी नलकूप विद्युत और यांत्रिक वजहों से खराब हैं।

जन विरोधी नीतियों के विरुद्ध मुकाबला करने को तैयार रहे कार्यकर्ता : राकेश वर्मा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बाराबंकी। भाजपा सरकार की जन विरोधी नीतियों के विरुद्ध जमकर मुकाबला करने को तैयार रहे नौजवान कार्यकर्ता। देश व प्रदेश आर्थिक बदहाली की ओर बढ़ रहा है, सपा कार्यकर्ता सदस्यता अभियान को एक आंदोलन का रूप दे।

उक्त विचार आज विधानसभा कुर्सी में सदस्यता नवीनीकरण अभियान के अंतर्गत ग्राम नंदना कला, सैलाखिया, बिलौली, महाराज, इब्राहिमाबाद, बढ़ावा, टड़वा गद मानपुर सहित एक दर्जन सदस्यता अभियान शिविर में उपस्थित कार्यकर्ताओं व लोगों के समक्ष पूर्व मंत्री प्रभारी राकेश कुमार वर्मा ने व्यक्त किए। राकेश वर्मा ने कहा कि पूरे प्रदेश में समाजवादी पार्टी का सदस्यता अभियान जोरों से चल रहा है भारी संख्या में लोग सपा की सदस्यता लेकर संघर्ष के लिए तैयार हो रहे हैं कुर्सी विधानसभा के सभी कार्यकर्ता भारी संख्या में सपा की सदस्यता लेकर समाजवादी विचारों सिद्धांतों के साथ जोड़कर संघर्ष करें। भारतीय जनता पार्टी की नीतियों की तीव्र आलोचना करते हुए पूर्व मंत्री राकेश वर्मा ने कहा महंगाई की मार ने समाज के सभी वर्गों को हिला कर रख दिया है सरकार टैक्स पर टैक्स लगा कर लोगो को कंगाल बना रही है किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य नहीं मिल रहा है बेरोजगारी की फौज प्रति दिन बढ़ती जा रही है देश के सभी सस्थान बिक चुके है भाजपा ने देश को आर्थिक गुलामी की ओर ढकेल दिया है।

श्री वर्मा ने आगे कहा की कार्यकर्ताओं पर बड़ी जिम्मेदारी है कि वह भाजपा सरकार को हटाने मे समाजवादी पार्टी का मजबूती से साथ दे। सपा नेता हंसराज यादव के संचालन व सपा उपाध्यक्ष मो सबाह की अध्यक्षता में इस कार्यक्रम को संबोधित करने वालों में ब्लॉक फतेहपुर अध्यक्ष सुरेश यादव, दिनेश चंद्र, राजेश रावत, राम सुमिरन यादव, रमेश चंद वर्मा, सदस्य जिला पंचायत ललित वर्मा, रमेश यादव, लवकुश यादव, डॉ अशोक, मुस्ताक अली, मोहम्मद सलीम, राम सुमिरन वर्मा, सगीर प्रधान, अनुपम वर्मा, राकेश वर्मा, चंद्रशेखर रावत, प्रताप यादव, राम सिंह आदि प्रमुख थे। कलेक्ट्रेट स्थित डीआरडीए गांधी सभागार में मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती एकता सिंह की अध्यक्षता में पंचायतराज कार्यों की समीक्षा की बैठक आहूत हुई। बैठक के दौरान पंचायत भवन निर्माण , सामुदायिक शौचालय, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) राज्य वित्त एवं केन्द्रीय वित्त, मिशन कायाकल्प, जन्म मृत्यु एवं परिवार रजिस्टर, हैंडपंप रिबोर की समीक्षा की गयी। समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश देते हुए कहा कि यदि किसी खण्ड विकास में प्रकरण लम्बित है तो उसे तत्काल इसी माह के अन्त तक पूरा कर लिया जाये। बैठक के दौरान जिला पंचायतराज अधिकारी, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, संरक्षक हितेन्द्र कुमार सहित सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

छत के रास्ते दुकान में हुए दाखिल, सीसीटीवी में कैद हुआ चोर

अयोध्या। मिल्कीपुर में बीती रात चोरों ने किराने की दुकान को निशाना बनाया। चोर दुकान में रखी 50 हजार की नकदी लेकर फरार हो गए। एक चोर की फोटो दुकान में लगे सीसी कैमरे में कैद हुई है। मलेथू बुजुर्ग गांव में चिरिंगीवीर बाबा स्थान के पास किराना व्यवसाई गंगाराम यादव की दुकान को बीती रात चोरों ने निशाना बनाया। घटना के दौरान किराना व्यवसायी अपने परिवार समेत छत पर लेटा हुआ था। चोर पीछे की दीवार से चढ़कर छत से रास्ते जीने के रास्ते नीचे आया और लकड़ी के दरवाजे को तोड़कर सीधा दुकान में प्रवेश किया। इसके बाद दुकान के गल्ले में पचास हजार रुपए की नगदी लेकर फरार हो गए। घटना की जानकारी व्यवसायी को तब हुई जब रात तीन बजे उनके पिता की तबीयत खराब हुई। जब उठे तो देखा कि दरवाजा टूटा हुआ है। शोर–शराबा सुनकर निकट के लोग पहुंचे। इसके बाद किराना व्यवसायी ने पुलिस को सूचना दी। घटना की जानाकरी पर मोतीगंज इंचार्ज शैलेश कुमार त्रिवेदीघटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय द्वारा आयोजित वृहद रोजगार मेले में 931 अभ्यर्थियों का हुआ चयन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

i;kxjkt A क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, प्रयागराज द्वारा सोमवार को वृहद रोजगार मेला का आयोजन राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नैनी के कैम्पस में किया गया, जिसमें निजी क्षेत्र की विभिन्न कम्पनियां द्वारा प्रतिभाग किया गया। रोजगार मेले में बड़ी संख्या में बेरोजगार अभ्यर्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। रोजगार मेले का उद्घाटन एमएलसी श्री सुरेश चन्द्र त्रिपाठी के प्रतिनिधि श्री अनूप कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया। मेले में आये हुए अभ्यर्थियों की प्री प्लेसमेंट काउंसिलिंग का भी आयोजन किया गया। रोजगार मेले में उप निदेशक सेवायोजन श्री रविशेखर आनन्द, सहायक निदेशक सेवायोजन श्री रत्नाकर अस्थाना, प्रधानाचार्य आई0टी0आई0 श्री एस0के0 श्रीवास्तव, जिला सेवायोजन अधिकारी श्री चन्द्रकान्त सिंह, उद्योग, खादी ग्रामोद्योग, लीड बैंक के अधिकारी एवं अन्य समस्त अधिकारीध्कर्मचारीगण उपस्थित रहे। वृहद रोजगार मेले में ब्राइट फ्यूचर आर्गेनिक हर्बल्स एण्ड आयुर्वेदिक प्रा0लि0 द्वारा 70, रूपन ट्रांसपोर्टेशन प्रा0लि0(रैपीडो) द्वारा 30, कैरियर ब्रीज स्किल साल्यूशन द्वारा 280, एल0आई0सी0 ऑफ इण्डिया द्वारा 17, रिलाइंस निप्पन लाइफ इंशोरेन्स द्वारा 30, डस्की स्टलेन कनसलटेंसी सर्विस प्रा0लि0 द्वारा 149, स्पेक्ट्रम टैलेन्ट मैनेजमेंट प्रा0लि0 द्वारा 67, डी0एम0डी0 इण्डिया लि0 द्वारा 53, एक्सजेंट एक्वा प्रा0लि0 द्वारा 66, पी0पी0ए0पी0 ऑटो मोटिव लि0 द्वारा 47, हर्शन इंजीनियरिंग लि0 द्वारा 30, जी0के0एन0 ड्राइवर लाइन लि0 द्वारा 18,कीवा काइपो इंडस्ट्रीज द्वारा 20 एवं गोल्डेन फार्मा आर्गेनिक एग्रीकल्चर प्रा0लि0 द्वारा 54 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। विभिन्न निजी क्षेत्र की कम्पनियों द्वारा कुल 931 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। रोजगार मेले में लगभग 1500 अभ्यर्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। यह जानकारी सहायक निदेशक, सेवायोजन श्री रत्नाकर अस्थाना ने दी है।

संक्षिप्त खबरे

महिला सहित चार तस्वीरों को मार्फिन के साथ गिरफ्तार कर जेल

रामसनेहीघाट,बाराबंकी। पुलिस अधीक्षक अनुराग वत्स द्वारा जनपद में चलाए गए अपराधियों के विरूध चलाये जा रहे अभियान में तहत रामसनेहीघाट पुलिस एक के बाद एक तस्करी के मामले में कोटवा सड़क कोतवाली पुलिस ने रविवार को देर रात चार तस्वीरों सहित एक महिला को मार्फिन तस्करी करने के अपराध में रंगे हाथो गिरफ्तार कर जेल भेजा।

कोतवाली रामसनेहीघाट एसआई प्रदीप कुमार सिंह गश्त के दौरान कोटवा सड़क के नरोखर मोड़ के पास से अर्जुन पुत्र गंगा राम की जामा तलाशी में 104 ग्राम मार्फिन व अजय पाठक पुत्र अशोक पाठक के पास 72 ग्राम मार्फिन के साथ देर रात गिरफ्तार किया और इसी के साथ कोटवा सड़क गांव के अंदर चौकी प्रभारी हथौन्धा आलोक सिंह ने मुखबिर की सूचना पर करन पाठक पुत्र मथुरा 56 ग्राम, गीता पाठक पत्नी प्रहलाद 102 ग्राम, अनूप पाठक उर्फ भग्गे पुत्र राधेश्याम 54 ग्राम मार्फिन के साथ गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपी तस्करों के खिलाफ पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट का मुकदमा पंजीकृत कर जेल भेज दिया।

थाना बनाये जाने हेतु भूमि चिन्हत

रामसनेहीघाट,बाराबंकी। कोतवाली रामसनेहीघाट की चौकी हथौधा को थाना बनाए जाने के शासन के निर्देश में तहसील प्रशासन द्वारा हथौधा स्टेट के समीप पड़ी सुरक्षित साढ़े पाँच बीघे भूमि में थाना बनाए जाने हेतु चिन्हित किया गया है। इस बारे में जानकारी देते हुए उपजिला अधिकारी विजय कुमार त्रिवेदी ने बताया कि कोतवाली रामसनेहीघाट की चौकी हथौधा को थाने का रूप दिया जाना हैं। सरकार का निर्देश कि जिले में बढ़ाए जा रहे थाना में एक चौकी जिसको थाने में परिवर्तन के लिए थाना भवन बनाए जाने हेतु राजस्व निरीक्षक टीम लेकर उप जिलाधिकारी श्री त्रिवेदी ने थाना हथौधा कोठी की चंद दूरी पर चिन्हित कर दी गई है जिसमें थाना थाने का भवन बनाया जाएगा।

प्राइवेट टैक्सी स्टैंड के लिए स्थान निर्धारित

रामसनेहीघाट,बाराबंकी। नवगठित नगर पंचायत रामसनेहीघाट में टैक्सी स्टैंड के ठहराव संचालन के लिए प्रशासक उपजिला मजिस्ट्रेट विजय कुमार त्रिवेदी के निर्देशन पर प्राइवेट टैक्सी स्टैंड के ठहराव के लिए ब्लॉक समीप सुरक्षित पड़ी बंजर भूमि घाटा 67 आदि पर चूना डलवा कर स्थान निर्धारित करा दिया गया है। जहां पर बाराबंकी जिला मुख्यालय जाने वाली टैक्सियों का ठहराव कर आ जाना निर्धारित हुआ है। उपजिला मजिस्ट्रेट विजय कुमार त्रिवेदी ने बताया कि चालकों के लिए एक का स्थान निर्धारित करा दिया गया यहां से सवारियों को लेकर जिला मुख्यालय के लिए जाएंगे नगर पंचायत कर्मचारियों ने क्षेत्र में स्टैंड टैक्सियों का कोई और ठहराव नहीं होगा सख्त हिदायत देते हुए दिशा निर्देश किया है कि इन टैक्सी स्टैंड ठहराव का स्थान नगर पंचायत कर्मचारियों द्वारा निर्धारित करा दिया गया निर्धारित स्थान पर ही खड़ी होंगी निर्देशों का अनुपालन ना करने वाले टैक्सी संचालकों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

सीडीओ ने की पंचायतराज कार्यो की समीक्षा

बाराबंकी। कलेक्ट्रेट स्थित डीआरडीए गांधी सभागार में मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती एकता सिंह की अध्यक्षता में पंचायतराज कार्यों की समीक्षा की बैठक आहूत हुई। बैठक के दौरान पंचायत भवन निर्माण, सामुदायिक शौचालय, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) राज्य वित्त एवं केन्द्रीय वित्त, मिशन कायाकल्प, जन्म मृत्यु एवं परिवार रजिस्टर, हैंडपंप रिबोर की समीक्षा की गयी।

समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश देते हुए कहा कि यदि किसी खण्ड विकास में प्रकरण लम्बित है तो उसे तत्काल इसी माह के अन्त तक पूरा कर लिया जाये। बैठक के दौरान जिला पंचायतराज अधिकारी, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, संरक्षक हितेन्द्र कुमार सहित सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

बाइक चढ़ाने को लेकर मारपीट, पांच घायल

बस्ती। बाइक चढ़ाने को लेकर सोनहा थाना क्षेत्र के शेखापुर उर्फ इब्राहिमचक गांव में दो पक्षों में मारपीट हो गई। जिसमें दोनों पक्ष के पांच लोग घायल हो गए। पुलिस ने दोनों पक्ष की तहरीर पर तेरह लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। शेखापुर उर्फ इब्राहिमचक निवासिनी पूनम ने तहरीर देकर आरोप लगाया है कि गांव के ही विपक्षी रोहित पांडेय, प्रधान, महेन्द्र, अशोक, शिवकुमार, शकंर, हरिमगंल, गौरी व रामभवन ने उन्हें, उनके बेटे राजकुमार और ससुर ओरौनी को बाइक चढ़ा देने की बात को लेकर मारपीट कर घायल कर दिया। दूसरे पक्ष के रोहित पाण्डेय ने आरोप लगाया है कि विपक्षी सागर, जोखन, रामवृक्ष व मनोज ने उन्हें व मेरे पिता मानिकराम को मारपीट कर घायल कर दिया। प्रभारी निरीक्षक शशांक शेखर राय ने बताया कि क्रास केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

नेपाली वन्यजीव तस्करों के रडार पर कतर्नियाघाट के वन्यजीव

बहराइच। कतर्नियाघाट के वन्यजीव नेपाल में बैठे तस्करों के रडार पर हैं। क्षेत्रीय तस्करों की मदद से वे सुरक्षा व वन्यजीवों के लोकेशन की वस्तुस्थिति का ब्योरा जुटा रहे हैं। 15 अगस्त को बाघ संरक्षित क्षेत्र ककरहा रेंज के कंडा बीट से दो नेपाली तस्कर पकडे जा चुके हैं। जांच में वन्यजीवों के अंगों की तस्करी करने वाले गिरोह से इनके तार जुड़े होने के साक्ष्य सामने आए हैं। इस खुलासे के बाद से ही वन महकमा सुरक्षा बढ़ाने के साथ स्थानीय गुप्तचरों की भी मदद ले रहा है।

बृजभूषण शरण सिंह बोले, मैंने 7 दिन तक नमक रोटी खाकर गोरखपुर में की थी पढ़ाई

प्रयाग दर्पण संवाददाता

गोण्डा। गोंडा और बलरामपुर दोनों जिलों के 25 विकास खंडों के सभी विद्यालयों से आए हाईस्कूल, इंटरमीडिएट और स्नातक के 1000 छात्र–छात्राओं को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर कैसरगंज से बीजेपी सांसद और भारतीय कुश्ती संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष बश्ज भूषण शरण सिंह ने सम्मानित किया गया। दरअसल, कैसरगंज से बीजेपी सांसद बश्जभूषण शरण सिंह हर साल विभिन्न परीक्षाओं में टॉप टेन की श्रेणी में आने वाले छात्र छात्राओं को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करते हैं इसी कार्यक्रम के तहत आज गोंडा जिले में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दोनों जिलों के सांसद विधायक और जिला पंचायत अध्यक्ष महोदय रहे। गोंडा जिले के कौड़िया बाजार की रहने वाली यूपी बोर्ड इंटरमीडिएट की परीक्षा में छठवां स्थान पाले वाली मुस्कान शुक्ला सहित दोनों जिलों के 1000 से अधिक छात्राओं को टिप्स देते हुए कहा आप मेहनत और लगन लगाकर के पढ़ाई करिए और अपना एक लक्ष्य बना लीजिए कि मुझे यह सिलेक्ट को हासिल करना है उस लक्ष्य को आप हासिल कर सकते हैं। बच्चों को टिप्स देते हुए बीजेपी सांसद बश्जभूषण शरण सिंह भावुक हो गए। उन्होंने कहा, मैं जब अपने घर से गोरखपुर पढ़ने के लिए गया था तो मैंने 7 दिन तक नमक खाकर वहां पढ़ाई की थी और तब मुझे एहसास हुआ कि पढ़ाई क्या चीज होती है और आज उसी की बदौलत मैं इस मुकाम पर पहुंचा हूं। आप सभी अपने परिवार गांव और माता–पिता की मोह माया छोड़कर के जहां भी जाइए वहां पढ़ाई करिये।

मामूली विवाद में भिड़े दो पक्ष, 21 घायल

बहराइच। खेत में बकरी चले जाने से मना करने पर दो समुदायों के बीच विवाद हो गया। बात इतनी बढ़ गई कि विशेष समुदाय के लोगों ने अपने समर्थकों के साथ लाठी–डंडे व तलवार से दूसरे समुदाय के लोगों पर हमला कर दिया। जिसमें 21 लोगों को चोटें आई। इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिसमें तीन की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर 31 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर 12 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। गांव में स्थिति सामान्य बनी रहे, इसके लिए गश्त को बढ़ा दिया गया। मोतीपुर थाना क्षेत्र के लौकिहा गांव निवासी विनोद वर्मा के खेत में इशरार की बकरी चली गई। आरोप है कि बकरी फसल को बर्बाद कर रही थी। जिसका विरोध विनोद ने किया। आरोप है कि इसी बात को लेकर विनोद व इशरार के बीच विवाद शुरू हो गया। बात इतनी बढ़ गई कि इशरार के समर्थक लाठी–डंडे से लैस होकर आ गये और विनोद को मारने पीटने लगे। विनोद चिल्लाते हुये गांव की ओर भागा।

यातायात व्यवस्था बदहाल, जाम में फंसे रहते हैं राहगीर

बस्ती। शहर की यातायात व्यवस्था बेपटरी होती जा रही है। सड़कों पर अतिक्रमण और पार्किंग की व्यवस्था न होने की वजह से लोगों को जाम की समस्या झेलनी पड़ रही है। शनिवार को उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के भ्रमण कार्यक्रम के दौरान भी जाम की समस्या उत्पन्न हो गई थी। ओपेक हास्पिटल जा रहे जिले के आला अधिकारियों की गाड़ी रोडवेज पर जाम में फंस गई। तैनात पुलिस कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद डीएम व एसपी की गाड़ी को निकलवाया। इस तरह की समस्या से शहर में आने वाले हजारों लोग रोज जूझ रहे हैं। हालत यह है कि लोगों को शहर के इस छोर से उस छोर तक जाने में काफी समय लग जाता है। ट्रैफिक पुलिस भी इसे ठीक कर पाने में अक्षम साबित हो रही है। अतिक्रमण और यातायात नियमों का पालन न करना भी जाम की वजह बन रहा है। रोडवेज बस स्टैंड का इलाका हो या फिर रौता चौराहा या गांधीनगर का क्षेत्र, हर जगह लोगों को जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है। रोडवेज पर यह दिक्कत कुछ ज्यादा ही है। यहां रोडवेज की बसें सड़क पर खड़ी रहती हैं। ऑटो वाले भी सड़क पर ही वाहन खड़ी करते हैं। इससे जाम की समस्या और बढ़ जाती है। शहर में जाम की समस्या सबसे ज्यादा अस्पताल चौराहे की तरफ जाने वाली सड़क पर रहती है। सबसे बड़ी मुश्किल जिला अस्पताल के अंदर मरीज लेकर जाने वाले वाहनों को होती है। इसके अलावा रोडवेज तिराहे, नेहरू तिराहे, गांधीनगर, कटरा तिराहे पर वाहनों की लंबी कतार लग जाती है। शहर की पटरियों पर ठेला, गुमटी व अवैध पार्किंग की वजह से जाम की समस्या बढ़ जाती है। पुलिस व यातायात पुलिस जब कभी इन्हें हटवाती है तो रास्ता सुगम बन जाता है लेकिन निरंतर निगरानी न होने के कारण दोबारा अतिक्रमण हो जाता है। इसके अलावा पार्किंग व स्टैंड न होने के कारण भी समस्या बढ़ती जा रही है।

सीएम योगी आदित्यनाथ से मिले अयोध्या के धर्माचार्य

अयोध्या। सीएम योगी आदित्यनाथ से अयोध्या के प्रसिद्ध संतों ने मिलकर उनसे अयोध्या के विकास को लेकर चर्चा की। इस दौरान यह तय हुआ कि नयाघाट–टेढ़ीबाजार मार्ग जगदगुरू स्वामी रामानंदाचार्य के नाम पर बनेगा। लता चौक के निर्माण का काम शुरू हो चुका है इसलिए उसे नयाघाट पर बनाया जाएगा। अयोध्या लौटने के बाद श्रीरामवल्लभाकुंज के प्रमुख एवं एडवर्ड तीर्थ विवेचिनी सभा के अध्यक्ष स्वामी राजकुमार दास ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जगदगुरू स्वामी रामानंदाचार्य के नाम पर रामघाट पर चौक का निर्माण होगा। इसकी घोषणा सीएम अगली अयोध्या यात्रा में करेंगे। इस दौरान मणिराम दास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलयनयन दास, लक्ष्मण किला के महंत महंत मैथिलीरमण शरण, श्रीरामवल्लभाकुंज के प्रमुख स्वामी राजकुमार दास, अखाड़ा परिषद के प्रवक्ता गौरीशंकर दास, खाक चौक के महंत बृजमोहन दास त्यागी, रामकथा कुंज क महंत डाक्टर रामानंद दास, हनुमत निवास के महंत मिथिलेशनंदिनी शरण, तुलसीदास छावनी के महंत जनार्दन दास, नित्य सरयू महाआरती समिति के अध्यक्ष महंत शशिकांत दास, पत्थर मंदिर के महंत मनीष दास, ज्योतिषाचार्य राकेश तिवारी, महामंडलेश्वर गिरीश दास, महंत रामजी शरण, महंत अवधिकशोर शरण, महंत जनकदुलारी शरण, महंत अमित कुमार दास दास वेदांती कुटिया आदि मौजूद रहे।

पूर्व डीएम के खिलाफ किया था अभद्र भाषा का प्रयोग, डीएम ने दिए थे जांच के आदेश

प्रयाग दर्पण संवाददाता

गोण्डा। गोंडा के तहसील सदर में तैनात दबंग लेखपाल राम बहादुर पांडेय की दबंगगई का मामला सामने आया है। जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में लेखपाल पूर्व जिलाधिकारी के खिलाफ बोल रहे हैं। अब ये वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। यह वायरल वीडियो 2 दिन पुराना बताया जा रहा है। जिसमें पूर्व जिला अधिकारी मार्कंडेय शाही के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग कर रहे है। वायरल वीडियो में वह कह रहे हैं कि पूरा कलेक्ट्रेट राम बहादुर पांडे को जानता है। शायद आप नहीं जानते हैं। मैंने गोंडा के पूर्व जिलाधिकारी मारकंडेय शाही को जब सबके सामने कह दिया। आज तक मैंने आप जैसा जिलाधिकारी नहीं देखा। लेखपाल बोलते–बोलते यह भी कह गए। गोंडा के पूर्व डीएम मार्कंडेय शाही को अंग विशेष के बाल बराबर भी न समझने की धमकी दे डाली। फिलहाल ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल तहसील सदर क्षेत्र के खरगूपुर थाना पुरैनिया गांव में राम मनोहर ने तालाब की जमीन को बेच दिया था। जिसकी पीड़ित ने शिकायत की थी। पुलिस की शिकायत पर आरोपी राम मनोहर के खिलाफ तो मुकदमा दर्ज हो गया। लेकिन दबंग लेखपाल राम बहादुर पांडे अपनी मनमानी से बाज नहीं आ रहा है। इस पूरे मामले में डीएम उज्जवल कुमार ने कहा है कि वीडियो संज्ञान में आया है। वीडियो वायरल होने पर मामले को लेकर जांच के आदेश दिए गए हैं। फिलहाल पुलिस इसपर जांच कर रही है।

पिकअप की टक्कर से युवक की मौत, आधार कार्ड से हुई पहचान

गोण्डा। जिले में गोंडा–बहराइच हाईवे पर पिकअप ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। युवक बाइक से घर जा रहा था। सूचना पाकर मौके पर पहुंची डायल 112 और देहात कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है। वहीं दो दोपहिया और पिकअप को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। बहराइच जिले के पयागपुर थाना क्षेत्र के बीरपुर के रहने वाले 25 वर्षीय अरुण कुमार मौर्य गोंडा से अपने घर बीरपुर जा रहे थे। खिरौरा मोहन के पास अनियंत्रित दो पहिया पिकअप वाहन की चपेट में बाइक सहित आ गए और मौके पर ही मौत हो गई। जेब मे मिले आधार कार्ड के माध्यम से युवक की पहचान हो पाई।

पुलिस ने दस अभियुक्तों को गिरफ्तार कर कब्जे से 710 ग्राम अवैध मारफीन की बरामद

प्रयाग दर्पण संवाददाता

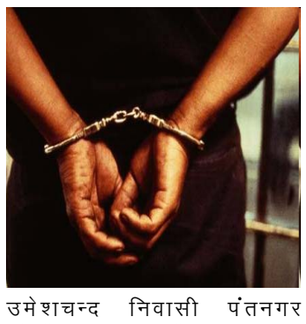

बाराबंकी। पुलिस द्वारा कुल 10 अभियुक्तों को गिरफ्तार कब्जे से 710 ग्राम अवैध मारफीन बरामद की है। जनपद बाराबंकी में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना जैदपुर पुलिस द्वारा अभियुक्तगण मो० तालिब पुत्र स्व० हाजी असीर, मो० अय्याज पुत्र स्व० हासिम अली निवासीगण टिकरा उस्मा थाना जैदपुर जनपद बाराबंकी, अभिषेक चौहान उर्फ हनुमान चौहान पुत्र मोती चौहान निवासी कुम्हरवा थाना बनकटी जनपद बस्ती, दिलीप कुमार पुत्र सरेशचन्द निवासी होरीलाल पुरवा थाना जैदपुर जनपद बाराबंकी, रामू गौतम पुत्र स्व० माधव निवासी प्यारनपुर थाना जैदपुर जनपद बाराबंकी, संतोष कश्यप पुत्र मदन निवासी कहारन मोहल्ला थाना चिनहट जनपद लखनऊ, अतुल सोनी पुत्र उमेशचन्द निवासी पंतनगर फोरवीसगंज कोतवाली नगर जनपद गोण्डा, मो० नदीम पुत्र हाजी उर्फ मो० फहीम निवासी टिकरा उस्मा थाना जैदपुर जनपद बाराबंकी को आज गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तगण के कब्जे से कुल 575 ग्राम अवैध मारफीन बरामद कर थाना जैदपुर पर मु०अ०सं० 360–362/2022 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत किया गया।

थाना कोतवाली नगर पुलिस द्वारा अभियुक्त मो० गुफरान उर्फ चांद पुत्र मो० जहीर निवासी उत्तरी अंसारी नगर पंचायत सिद्धौर थाना असन्द्रा जनपद बाराबंकी को शनि देव मन्दिर सट्टी बजार के पास से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से 80 ग्राम मारफीन व एक अदद मारुती वैन यूपी 32 जेडब्लू 1882 बरामद किया गया। उक्त सम्बन्ध में थाना कोतवाली नगर पर मु०अ०सं० 954/2022 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत किया गया।

थाना मो०पुर खाला पुलिस द्वारा अभियुक्त सलमान पुत्र उस्मान निवासी घघसी थाना मो०पुर खाला जनपद बाराबंकी को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से 55 ग्राम अवैध मारफीन बरामद कर थाना मो०पुरखाला पर मु०अ०सं० 351/2022 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत किया गया।

नौ लोगों के खिलाफ केस दर्ज

बस्ती। कुटरचित दस्तावेज से फर्जीवाड़ा करने के दो मामले सामने आए हैं। मुंडेरवा व दुबौलिया पुलिस ने नौ लोगों पर केस दर्ज किया है। दुबौलिया थाना क्षेत्र के कटरिया निवासी ताज मोहम्मद का आरोप है कि विपक्षियों ने फर्जी तरीके से कूटरचित दस्तावेज तैयार करके बैंक में खाता खुलवाकर उनका पैसा निकाल लिया। जानकारी होने पर जब शिकायत करने गए तो घर में घुसकर अपशब्द कहते हुए मारपीट की। पुलिस ने कटरिया निवासी अजीत, रणवीर सिंह उर्फ रिंकू सिंह, राजेश सिंह और नीतू सिंह के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। वहीं मुंडेरवा थाने के ऊचगांव निवासी भोला प्रसाद ने तहरीर देकर आरोप लगाया है कि उनके पिता की खतौनी में फर्जी व कूटरचित दस्तावेज तैयार कराकर विपक्षियों ने अपना नाम शामिल करा लिया। जानकारी होने के बाद थाने में तहरीर दी।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–: संस्थापक :–

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)

मोबाइल नंबर 9450475366

Email

prayagdarpan@gmail.com

R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।